नई सोच • नई शुरूआत • नया भारत

अनप्लग इंडिया

सच की आवाज, भारत की पहचान

नोएडा एनसीआर संस्करण

आज का विचार

हर नया दिन एक नई उम्मीद और नया अवसर लेकर आता है।
सुप्रभात!



वर्ष : 01 | अंक : 54 | नोएडा, मंगलवार, 24 नवम्बर, 2026 | Website: www.unplugindia.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 03 रुपए

अयोध्या-जनकपुर के बीच सीधी ट्रेन 'सरयू-कमला एक्सप्रेस' शुरू

मोदी-बालेन ने दिखाई हरी झंडी, यूपी-बिहार के 10 स्टेशनों पर रुकेगी



लखनऊ (एजेंसी)। भगवान राम की नगरी अयोध्या और माता सीता की जन्मस्थली जनकपुर धाम के बीच पहली ट्रेन आज से शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने हरी झंडी दिखाकर सरयू कमला एक्सप्रेस को रवाना किया। यह ट्रेन यूपी और बिहार के 10 स्टेशनों पर रुकेगी। पहले दिन 1158 यात्री इसमें सवार हुए। आम यात्रियों के लिए यह ट्रेन 28 नवंबर से शुरू होने की उम्मीद है। वाल्मीकि रामायण के मुताबिक, राजा दशरथ राम बारात लेकर जब मिथिला में जनकपुर पहुंचे थे तब उन्हें 4 दिन लगे थे। अब यही सफर लगभग 19 घंटे में पूरा होगा। अयोध्या कैंट से जनकपुर धाम के बीच रेल मार्ग की कुल दूरी करीब 604 किलोमीटर होगी। ट्रेन करीब 19 घंटे में यह दूरी तय करेगी। ट्रेन उत्तर प्रदेश और बिहार के अलग-अलग शहरों से गुजरते हुए नेपाल पहुंचेगी। सरयू कमला एक्सप्रेस के शुभारंभ के मौके पर पूरे अयोध्या रेलवे स्टेशन पर कड़ी सुरक्षा रही। स्टेशन के कोने-कोने में मौजूद पुलिसकर्मी लोगों की हर गतिविधि पर नजर रख रहे थे। अयोध्या से जनकपुर के लिए ट्रेन कैंट रेलवे स्टेशन से रवाना होगी।

अल-नीनो से हिमालय में भूस्खलन और हिमस्खलन का खतरा

भारत-नेपाल, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में बाढ़ का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अल नीनो मजबूत होने से हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में सामान्य से ज्यादा बारिश हो सकती है। इससे सर्दियों में भारत और नेपाल में बाढ़ आ सकती है। नेपाल में भूस्खलन और हिमस्खलन का खतरा भी बढ़ सकता है। हिंदूकुश हिमालय विंटर आउटलुक 2026 के अनुसार, नेपाल के अलावा अफगानिस्तान और बांग्लादेश में भी इसका असर रहेगा। यहां बारिश और ठंड ज्यादा होने का अनुमान है। अमेरिका की नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक, अल नीनो मजबूत से बहुत मजबूत स्थिति में है। इसके 1950 में रिकॉर्ड शुरू होने के बाद सबसे मजबूत बनने की संभावना करीब 60 फीसदी है। यह रिपोर्ट काठमांडू स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट, बीजिंग नॉर्मल यूनिवर्सिटी और चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज के इंस्टीट्यूट ऑफ एटमॉस्फेरिक फिजिक्स ने मिलकर तैयार की है। **ज्यादा बारिश, बर्फबारी, सूखा और जंगलों में आग का खतरा-** वैज्ञानिकों ने कहा कि अल नीनो से हिमालय की तलहटी में ज्यादा बारिश हो सकती है। ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी भी बढ़ सकती है। क्षेत्र के कुछ हिस्सों में सूखे का दौर आ सकता है। इससे जंगलों में आग लगने का खतरा भी बढ़ेगा। यह अनुमान नेपाल और भूटान में बेहद नुकसानदायक मानसून के बाद आया है।



सुपर-डुपर अल नीनो का अलर्ट, धरती लाल दिखी थी

8 अक्टूबर को आई शिकागो यूनिवर्सिटी के क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब के शोधकर्ताओं की रिपोर्ट में कहा गया था- दुनिया इस समय बेहद ताकतवर अल नीनो का सामना कर रही है। प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र का तापमान सामान्य से 3.4 फीसदी ज्यादा हो गया है। यह 1950 के बाद का सबसे खतरनाक अल नीनो बताया जा रहा है। मौसम विशेषज्ञ इसे 'सुपर-डुपर अल नीनो' कह रहे हैं। इससे दुनिया के कई हिस्सों में ज्यादा गर्मी, सूखा या भारी बारिश हो सकती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस अल नीनो से दुनियाभर में अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं।

हरि-हर मिलन! चांदी की पालकी में गोपाल मंदिर पहुंचे महाकाल

तुलसी-बिल्वपत्र की मालाओं से हुआ सृष्टि की सत्ता का हस्तांतरण

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष पूजन-अभिषेक, अद्भुत रहा संगम

उज्जैन (एजेंसी)। उज्जैन में रविवार आधी रात शैव और वैष्णव परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। भगवान महाकाल चांदी की पालकी में सवार होकर शाही ठाठ-बाट के साथ गोपाल मंदिर पहुंचे। यहां भगवान द्वारकाधीश और बाबा महाकाल का हरि-हर मिलन हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दोनों देवताओं का विशेष पूजन-अभिषेक किया गया। परंपरा के अनुसार, भगवान महाकाल ने बिल्वपत्र की माला भगवान विष्णु को अर्पित की, जबकि भगवान द्वारकाधीश ने तुलसी की माला महाकाल को पहनाई। इसी के साथ चार महीने तक भगवान शिव के पास रही सृष्टि के संचालन की जिम्मेदारी पुनः भगवान विष्णु को सौंपने का प्रतीकात्मक विधान पूरा हुआ।



चार महीने तक महाकाल संभालते हैं सृष्टि का भार

पौराणिक मान्यता के अनुसार, देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं। इसके बाद चार महीने तक सृष्टि के संचालन का दायित्व भगवान शिव संभालते हैं। देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु के जागने के बाद कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी की रात भगवान महाकाल गोपाल मंदिर पहुंचकर उन्हें सृष्टि के संचालन का दायित्व सौंपते हैं। इसी परंपरा को हरिहर मिलन कहा जाता है। उज्जैन में वर्ष में एक बार होने वाले इस आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। गोपाल मंदिर के पुजारी मधुर शर्मा ने बताया कि हरिहर मिलन उज्जैन की वर्षों पुरानी अद्भुत परंपरा है। इसे शहर के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में शामिल किया जाता है।

बीजेपी विधायक रेखा पात्रा ने खाया जहर, हालत गंभीर

कोलकाता में भर्ती, संदेशखाली आंदोलन से चर्चा में आईं बंगाल दौरे में पीएम मोदी ने कहा था-आप शक्ति स्वरूपा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की बीजेपी विधायक रेखा पात्रा ने जहर खा लिया है। दो दिनों से कोलकाता के निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल के मुताबिक, रेखा पहले वेंटिलेटर पर थीं। सोमवार सुबह उन्हें वेंटिलेटर से हटाया गया है। हालांकि, उनके शरीर में जहर का असर बना हुआ है, जिसके कारण हार्ट रेट सामान्य से ज्यादा है। परिवार के मुताबिक, रेखा ने शनिवार रात हर्बल कीटनाशक खाया था। उनके पति संदीप पात्रा ने बताया कि रेखा की स्थिति ठीक नहीं है। अभी कुछ कहना संभव नहीं है।' रेखा पात्रा 2024 में संदेशखाली आंदोलन के दौरान चर्चा में आई थीं। 26 मार्च 2024 को पीएम मोदी ने रेखा से फोन पर बातचीत की थी। मोदी ने कहा था- रेखा, आपने संदेशखाली में बहुत बड़ी लड़ाई लड़ी है। आप एक तरह से शक्ति स्वरूपा हैं।



तीन अस्पतालों में इलाज चला शरीर में ट्यूब डाली गई

पार्टी के मुताबिक, शनिवार रात करीब 9 बजे हिंगलगंज स्थित घर पर रेखा की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। पहले उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया था। फिर बशीरहाट सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां भी करीब चार घंटे इलाज के बावजूद उनकी हालत में खास सुधार नहीं हुआ।

पॉवर अपनी बढ़ती ताकत का दुनिया ने माना लोहा

भारत एशिया में तीसरा सबसे ताकतवर देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत एशिया में सबसे ज्यादा प्रभाव रखने वाले देशों में तीसरे नंबर पर है। उसने हाल ही में अपनी स्थिति और मजबूत की है। ऑस्ट्रेलिया के थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट के एशिया पावर इंडेक्स

2026 में पावर स्कोर बढ़कर 40.5 अंक हुआ

2026 में भारत का कुल पावर स्कोर बढ़कर 40.5 अंक हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 में भारत का क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ा है। इसमें कूटनीतिक स्थिति, रक्षा सहयोग, सांस्कृतिक पहुंच और भविष्य के संसाधनों में सुधार का योगदान रहा। लिस्ट में अमेरिका पहले और चीन दूसरे नंबर पर है। भारत की



आर्थिक क्षमता का स्कोर घटकर 26.4 अंक हुआ, फिर भी वह इस श्रेणी में तीसरे स्थान पर रहा।

रिपोर्ट में आर्थिक क्षमता में गिरावट का दावा- लोवी इंस्टीट्यूट ने भारत की आर्थिक क्षमता में गिरावट की वजह कमजोर रुपए और अर्थव्यवस्थाओं को मापने की इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड की बदली पद्धति को बताया। भारत के विदेशों में निवेश में करीब 20 अरब डॉलर की कमी का भी उसके प्रदर्शन पर असर पड़ा। इसके बावजूद, भारत के भविष्य के संसाधनों का स्कोर बढ़कर 56.2 अंक हो गया। यह सुधार बेहतर आर्थिक अनुमान और देश के सामने मौजूद अवसरों को दिखाता है। रिपोर्ट ने कहा गया कि 2026 में भारत की अर्थव्यवस्था और कूटनीति के नतीजे मिले-जुले रहे, लेकिन एशिया में उसका प्रभाव बढ़ा। कूटनीतिक प्रभाव भारत का सबसे मजबूत क्षेत्र बना रहा। इस श्रेणी में भारत को 70.3 अंक मिले। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के क्षेत्रीय नेतृत्व के आंकलन में बड़ा सुधार हुआ। वह तीन स्थान ऊपर पहुंचे और चीनी रापति शी जिनपिंग के बाद दूसरे सबसे प्रभावी क्षेत्रीय नेता बने। भारत ने अपने आर्थिक रिश्तों में भी सुधार किया। वह इस श्रेणी में दो स्थान ऊपर उठकर सातवें स्थान पर पहुंचा। क्षेत्रीय व्यापार और निवेश संबंधों में अपेक्षाकृत स्थिरता आई है।

रक्षा और सांस्कृतिक प्रभाव में बढ़ोतरी

भारत का रक्षा नेटवर्क स्कोर बढ़कर 18.6 अंक हो गया। वह इस श्रेणी में नौवें स्थान पर पहुंचा। इस सुधार को क्षेत्रीय रक्षा सहयोग में बढ़ोतरी और दक्षिण-पूर्व एशिया में ब्रह्मोस मिसाइलों की बिक्री से मदद मिली। भारत का सांस्कृतिक प्रभाव स्कोर भी बढ़कर 43.8 अंक हो गया। सांस्कृतिक पहुंच, जनसंपर्क और लोगों के बीच संपर्क के सभी क्षेत्रों में सुधार हुआ। इन सुधारों से 2023 के बाद पहली बार भारत के उपलब्ध संसाधनों और एशिया में उसके प्रभाव के बीच का अंतर कम हुआ। भविष्य के संसाधनों में बढ़ोतरी के साथ यह संकेत मिला कि भारत अपना बढ़ता क्षेत्रीय प्रभाव बनाए रख सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन की कुल शक्ति भारत से अब भी 80 फीसदी ज्यादा है। इससे दोनों देशों के बीच जारी अंतर साफ होता है। 2026 का एशिया पावर इंडेक्स 27 देशों और क्षेत्रों का आंकलन करता है।



सीजेआई सूर्यकांत की न्यायिक अधिकारियों को बड़ी फटकार

कहा-हमें पता है दिन भर क्या करते हैं, बस 24 घंटे सुविधाएं चाहिए



सिर्फ अपने लिए सोचते रहते हैं अधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत ने सोमवार को कुछ न्यायिक अधिकारियों के रवैये पर तीखी प्रतिक्रिया जताई है। उनका कहना है कि ऐसे अधिकारी अपने अदालती कार्यों पर ध्यान देने के बजाए, सिर्फ अपने ही लाभ के बारे में सोचते रहते हैं और समय बिता देते हैं। जबकि, अदालतों के बाहर लोग कतारें लगाए खड़े रहते हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कुछ न्यायिक अधिकारियों द्वारा अपनी सर्विस और रिटायरमेंट के बाद के लाभों से जुड़े विषयों पर बार-बार अदालतों का चक्कर काटने के बर्ताव के प्रति गहरी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि ऐसे अधिकारियों को लगता है कि सुप्रीम कोर्ट को कुछ भी पता नहीं है कि उनका दिनभर क्या चलता रहता है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, अब वे कुछ ज्यादा ही बोल रहे हैं। हर चीज में न्यायिक अधिकारी आवेदन लगा रहे हैं (यह कहते हुए) कि यह मंजूरी दी जाए।

एक मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों को लगता है कि जैसे सुप्रीम कोर्ट को पता ही नहीं है कि नीचे क्या चल रहा है। न्यायिक अधिकारी 24 घंटे सिर्फ अपने फायदे और रिटायरमेंट बेनिफिट के बारे में सोचते रहते हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने यह टिप्पणी ए जुबिया बनाम केरल हाई कोर्ट से जुड़े एक केस की सुनवाई के दौरान की है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच में यह सुनवाई जिला न्यायपालिका में भर्तियों के मामले को लेकर चल रही है। सीजेआई सूर्यकांत ने भारत के चीफ जस्टिस के रूप में अपने अब तक के करीब एक साल के कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण टिप्पणियां की हैं, जो सुर्खियां बनी हैं- हाल ही में सीजेआई ने कहा कि लोकतंत्र में नागरिकों को संवैधानिक संस्थाओं के फैसलों की आलोचना करने का अधिकार है।

राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की 92वीं बैठक में समुद्री वन्यजीव संरक्षण पर विशेष जोर

समुद्री वन्यजीव संरक्षण पर विशेष चर्चा

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की स्थायी समिति की 92वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में वन्यजीव और समुद्री जैव विविधता के संरक्षण के साथ-साथ विकास परियोजनाओं और पर्यावरणीय संतुलन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

बैठक के दौरान वन्यजीव सप्ताह-2026 की रिपोर्ट पर विचार किया गया। इस वर्ष वन्यजीव सप्ताह 'वन्यजीवों के आवासों को जोड़ना, उन्हें समृद्ध बनाना' विषय पर मनाया गया था। भूपेंद्र यादव ने इस दौरान किए गए संरक्षण प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार वन्यजीव संरक्षण के लिए वैज्ञानिक और जमीनी स्तर पर प्रभावी परिणाम देने वाली पहल पर जोर दे रही है। इन पहलों में पश्चिम बंगाल के बक्सा में बाघों को दोबारा बसाना, राजस्थान में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण) को जंगल में छोड़ना और प्रोजेक्ट चीता का तीसरे स्थान तक विस्तार करना शामिल है। इस मौके पर भूपेन्द्र यादव ने वन्यजीव सप्ताह के दौरान चयनित पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और वन्यजीव संरक्षण में अग्रिम मोर्चे पर काम करने वाले कर्मचारियों तथा स्थानीय समुदायों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया। संरक्षण और शिकार रोकने के क्षेत्र में तेलंगाना के स्वर्गीय बनोथ नवीन, नागालैंड के हुकाई एच. झिमो और तमिलनाडु के वी. कुमारेशन को सम्मानित किया गया। वन्यजीव निगरानी और विशेष कौशल के लिए महाराष्ट्र के उमेश भारत कलसारपे, गुजरात के अश्विनसिंह किरीतसिंह जडेजा और उत्तर प्रदेश के बहराइच मानव-वन्यजीव संघर्ष प्रबंधन समूह को सम्मान मिला।

सामुदायिक संरक्षण पुरस्कार गुजरात की महावीर मच्छीमार सहकारी मंडली लिमिटेड, मंगलोर को व्हेल शार्क संरक्षण और तमिलनाडु की पोन्नुरुवी इको-टूरिज्म मैनेजमेंट कमेटी, सिरुमलाई हिल्स को दिया गया। वहीं, असम के नामेरी टाइगर रिजर्व को कंजर्वेशन एश्योर्ड टाइगर स्टैंडर्ड्स के तहत मान्यता



प्रदान की गई। बैठक का मुख्य विषय समुद्री संरक्षण रहा। इस दौरान भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिकों ने तटीय एवं समुद्री संरक्षित क्षेत्रों के प्रबंधन की प्रभावशीलता, समुद्री कछुओं का देशव्यापी आकलन और निगरानी, भारत में डुगोंग और उनके आवासों के संरक्षण में 2016 से 2026 तक हुई प्रगति तथा वन्यजीवों पर रैखिक बुनियादी ढांचे के प्रभाव को कम करने से जुड़े विषयों पर प्रस्तुतियां दीं। इन प्रस्तुतियों में समुद्री संरक्षित क्षेत्रों के प्रबंधन, समुद्री कछुओं और डुगोंग के संरक्षण में हुई उपलब्धियों की जानकारी दी गई। साथ ही सड़कों और अन्य रैखिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से वन्यजीवों पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए बुनियादी ढांचा योजनाकारों, निर्माण एजेंसियों, पर्यावरण सलाहकारों, वन्यजीव प्रबंधकों और नियामक संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता बताई गई।

बैठक में समुद्री जैव विविधता और वन्यजीव संरक्षण से संबंधित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए गए। इनमें तटीय एवं समुद्री संरक्षित क्षेत्रों के प्रबंधन की प्रभावशीलता पर 2024-26 के आकलन की रिपोर्ट शामिल है। इसमें देश के 108 संरक्षित क्षेत्रों का मूल्यांकन किया गया है। समुद्री कछुओं के देशव्यापी आकलन में 2022 से 2025 के बीच तीन प्रजनन मौसमों के दौरान लगभग 1,300 किलोमीटर समुद्री तट और 360 समुद्र तटीय क्षेत्रों का अध्ययन किया गया। इसमें समुद्री कछुओं की चार प्रजातियों के घोंसला बनाने की स्थिति का आकलन किया गया है। इसके अलावा भारत में डुगोंग और उनके आवासों के संरक्षण पर 2016-2026 की उपलब्धियों से जुड़ी रिपोर्ट जारी की गई। इसमें तमिलनाडु में ड्रोन के माध्यम से पहली बार किए गए डुगोंग की आबादी के आकलन का उल्लेख है। इस आकलन में इनकी अनुमानित संख्या 270 (±16) बताई गई है। साथ ही समुद्री घास के आवासों की पहचान और पाक खाड़ी में भारत के पहले डुगोंग संरक्षण रिजर्व की अधिसूचना को भी प्रमुख उपलब्धि बताया गया। अरब सागर में पाई जाने वाली हंपबैक व्हेल की स्थिति पर 2022-25 के अध्ययन की रिपोर्ट भी जारी की गई। इसमें संभावित रूप से व्हेल दिखाई देने वाले सात प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की गई और मछली पकड़ने के जाल में फंसने को इनके लिए एक प्रमुख खतरा बताया गया। इसके साथ समुद्री कछुओं के संरक्षण के लिए तीन प्रकाशन भी जारी किए गए। इनमें समुद्री कछुओं की पहचान और टैगिंग की तकनीकी प्रक्रिया, भारतीय समुद्री क्षेत्रों में उनकी ट्रैकिंग तथा भारत में पाई जाने वाली समुद्री कछुओं की प्रजातियों से संबंधित जानकारी शामिल है। छोटी जंगली बिल्लियों के संरक्षण के लिए फील्ड मैनुअल जारी किया। मंत्री ने छोटी जंगली बिल्लियों के संरक्षण पर 'फील्ड मैनुअल ऑन स्मॉल कैट्स' भी जारी किया। इसमें भारत में पाई जाने वाली छोटी जंगली बिल्लियों की नौ प्रजातियों की पहचान, उनके सर्वेक्षण और निगरानी के लिए व्यावहारिक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। यह मैनुअल भारत सरकार-जीईएफ स्मॉल कैट्स कंजर्वेशन परियोजना के तहत तैयार किया गया है।

राष्ट्रपति मुर्मु 24 और 25 नवंबर को ओडिशा के दौरे पर

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 24 और 25 नवंबर को ओडिशा के दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वह कटक में बाली जात्रा महोत्सव और भुवनेश्वर में होम्योपैथी पर आयोजित राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन में शामिल होंगी। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति 24 नवंबर को कटक में आयोजित बाली जात्रा महोत्सव-2026 में शामिल होंगी। वहीं, 25 नवंबर को वह भुवनेश्वर में होम्योपैथी पर आयोजित राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन में शिरकत करेंगी।

महापौर ने गुरु पर्व के नगर कीर्तन मार्ग का किया निरीक्षण

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। गुरु पर्व के अवसर पर आयोजित होने वाले नगर कीर्तन की तैयारियों के लिए दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही और निगमायुक्त संजीव खिरवार ने सोमवार को गुरुद्वारा सीसगंज साहिब से फतेहपुरी चौक तक नगर कीर्तन मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सफाई, स्वच्छता और अन्य नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुरानी दिल्ली क्षेत्र की उपायुक्त कनिका सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारी और गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य मौजूद रहे। महापौर एवं निगमायुक्त ने पूरे मार्ग पर सफाई व्यवस्था, कचरा उठाने और स्वच्छता से जुड़े कार्यों की स्थिति देखी। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर कीर्तन मार्ग पर विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और जहां भी कोई कमी नजर आए, उसे तत्काल दूर किया जाए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ समय रहते तैयारियां पूरी करने को कहा। महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि गुरु पर्व आस्था और श्रद्धा के साथ-साथ दिल्ली की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। नगर कीर्तन के इस मार्ग पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं, इसलिए यहां स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कमला नेहरू कॉलेज में 'वंदे मातरम् अकादमिक भवन' का उद्घाटन किया

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कमला नेहरू कॉलेज के नवनिर्मित 'वंदे मातरम् अकादमिक भवन' का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने अकादमिक भवन के उद्घाटन के साथ कॉलेज की शैक्षणिक उपलब्धियों, प्रकाशनों और छात्राओं की प्रतिभा को सराहा। कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छात्राओं की दैनिक आवाजाही को अधिक सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से दिल्ली परिवहन निगम की दो नए रूट पर यूनिवर्सिटी लेडीज स्पेशल बस सेवाओं का भी शुभारंभ किया। ये बस सेवाएं कमला नेहरू कॉलेज और गार्गी कॉलेज आने-जाने वाली छात्राओं को दो प्रमुख मेट्रो स्टेशनों, लक्ष्मी नगर और ग्रीन पार्क से सीधी बस कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। दोनों बस सेवाएं सुबह 8 से 10:30 बजे तक संबंधित मेट्रो स्टेशन से तथा शाम 3 से 5:30 बजे तक कॉलेज क्षेत्र से संचालित होंगी। छात्राओं की सुविधा के लिए बसें प्रत्येक 30 मिनट के अंतराल पर उपलब्ध रहेंगी।

प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने पीएम मोदी को दिया नेपाल आने का न्योता

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने पीएम मोदी और भारतवासियों को नेपाल की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जगहों पर घूमने का न्योता दिया है। सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में हुई एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में शाह ने मित्र भारत को सम्मान के साथ निमंत्रण दिया। प्रधानमंत्री शाह ने मंच से कहा, 'मैं आपको नेपाल आने के लिए दिल से न्योता देता हूं, जो मुक्तिनाथ भगवान, हिमालय की गोद में बसे श्री पशुपतिनाथ, तराई के मैदानों में माता जानकी, जनकजी, जीवित देवी कुमारी और शांति के अग्रदूत गौतम बुद्ध की जन्मभूमि है।' उन्होंने नेपालवासियों की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी नेपाल आने का न्योता दिया। उन्होंने यह भी कहा कि नेपाल और भारत की दोस्ती दोनों देशों की खुशहाली पक्की करेगी। 'हमारी दोस्ती ऐसी हो कि भरोसा पहाड़ों जितना मजबूत हो, सहयोग नदियों जितना लगातार बहता रहे, और हमारे साझे आसमान के नीचे दोनों देशों की खुशहाली कभी खत्म न हो। ' इससे पहले पीएम मोदी ने भी नेपाल के साथ भारत के रिश्तों को विश्वास का अटूट रिश्ता बताया।

सिरसा का दावा: यमुना की 60 प्रतिशत सफाई पूरी

2029-30 तक होगी पूरी तरह साफ

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। ,दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने यमुना की सफाई को लेकर दावा किया कि यमुना नदी का 60 प्रतिशत हिस्सा साफ हो चुका है और पानी अब पीने योग्य हो गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2029 या 2030 तक पूरी यमुना की सफाई का लक्ष्य रखा गया है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोमवार को उबर की 'वन लेस कार' रिपोर्ट के लॉन्च कार्यक्रम के दौरान कहा कि



वाहनों से होने वाला प्रदूषण केवल सरकार की नहीं बल्कि सभी की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन भी पूरी तरह प्रदूषण मुक्त नहीं हैं, क्योंकि चलते समय उनके टायरों से धूल पैदा होती है।

मंत्री ने कहा कि क्लाउड किचन से होने वाली डिलीवरी भी प्रदूषण बढ़ाने में योगदान देती है। इसके पीछे बड़ी संख्या में डिलीवरी कर्मचारियों और वाहनों की आवाजाही एक वजह है। सिरसा ने यमुना की सफाई का श्रेय दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्र सरकार के सहयोग को दिया। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों से नदी की सफाई का काम जारी है। सफाई अभियान एक छोर से शुरू किया गया है और धीरे-धीरे दूसरे हिस्सों तक पहुंचाया जा रहा है। इसी वजह से अभी पूरी नदी की सफाई नहीं हुई है। सिरसा ने कहा कि यमुना 60 प्रतिशत हिस्सा पूरी तरह साफ हो चुका है। साफ का मतलब इतना साफ कि उसका पानी पिया भी जा सकता है। उन्होंने लोगों से नदी के पास जाकर स्थिति देखने की अपील भी की।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता चांदनी चौक में अतिक्रमण पर सख्त

दोबारा कब्जा हुआ तो अधिकारियों पर होगी कार्रवाई



अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। चांदनी चौक और पुरानी दिल्ली की ऐतिहासिक गरिमा को बहाल करने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अतिक्रमण के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और दिल्ली पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि चांदनी चौक और आसपास के क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त बनाने का अभियान लगातार जारी रखा जाए। साथ ही, जिन स्थानों से अवैध कब्जे हटाए जा चुके हैं, वहां दोबारा अतिक्रमण न होने पाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि हटाए गए स्थानों पर फिर से कब्जा हुआ तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि केवल अतिक्रमण हटाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है कि सार्वजनिक स्थानों पर दोबारा अवैध कब्जे न हों। इसके लिए नगर निगम और दिल्ली पुलिस को नियमित निगरानी और आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए गए हैं।

एमसीडी ने मनाया 'भाषा-संगम 2026', हिंदी-उर्दू-पंजाबी की साझी विरासत का हुआ उत्सव

महापौर ने किया भाषाई सौहार्द और आपसी सम्मान का आह्वान

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के राजभाषा विभाग ने सोमवार को सिविक सेंटर के केदारनाथ साहनी सभागार में 'भाषा-संगम 2026' का आयोजन किया गया। हिंदी, उर्दू एवं पंजाबी भाषा महोत्सव के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम में भाषाई विविधता, साहित्यिक समृद्धि और भारत की साझा सांस्कृतिक विरासत को उत्साहपूर्वक प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व की पावन संध्या को समर्पित रहा।

इस अवसर पर दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, उपमहापौर एवं हिंदी समिति की अध्यक्ष मोनिका पंत तथा हिंदी समिति की उपाध्यक्ष मनीषा, अतिरिक्त आयुक्त ऐ के मिश्रा भी उपस्थित थे ।

इस अवसर पर महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि भाषा का कोई धर्म नहीं होता। भाषा लोगों को जोड़ने, विचारों को साझा करने और एक-दूसरे की संस्कृति को समझने का माध्यम है। हिंदी, उर्दू और पंजाबी तीनों भाषाओं का भारतीय समाज, साहित्य और संस्कृति पर गहरा प्रभाव रहा है। इन भाषाओं की अपनी समृद्ध परंपराएं हैं, लेकिन इनके बीच आपसी जुड़ाव और साझी विरासत भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमें सभी भाषाओं का समान रूप से सम्मान करना चाहिए और भाषाई विविधता को अपनी ताकत बनाना



चाहिए। ऐसे आयोजन समाज में आपसी सद्भाव, सम्मान और एकता की भावना को मजबूत करते हैं।

स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि भारत की असली खूबसूरती उसकी विविधता में एकता में निहित है। हिंदी, उर्दू और पंजाबी जैसी भाषाएं हमारी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन भाषाओं के साहित्य, कविता, संगीत और परंपराओं ने समाज को हमेशा जोड़ने का काम किया है। 'भाषा-संगम' जैसे आयोजन हमारी समृद्ध परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और सभी भाषाओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उपमहापौर एवं हिंदी समिति की अध्यक्ष मोनिका पंत ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी अभिव्यक्ति, संस्कृति और सामाजिक जुड़ाव का सशक्त माध्यम है। उर्दू की नजाकत और पंजाबी की जीवंतता हमारी साझा सांस्कृतिक विरासत को और समृद्ध बनाती हैं। हमें हिंदी के साथ-साथ देश की अन्य भाषाओं के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार के लिए भी निरंतर प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि भाषाओं के माध्यम से ही हम अपनी संस्कृति और मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचा सकते हैं। हिंदी समिति की उपाध्यक्ष मनीषा ने कहा कि साहित्य और भाषा समाज को संवेदनशील बनाने के साथ-साथ लोगों के बीच आपसी समझ और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। हिंदी, उर्दू और पंजाबी की साहित्यिक परंपराएं प्रेम, सद्भाव और मानवीय मूल्यों का सुंदर संदेश देती हैं। 'भाषा-संगम 2026' जैसे आयोजन विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों को एक साझा मंच प्रदान करते हैं तथा हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का अवसर देते हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत उद्घाटन एवं भाषाई-सांस्कृतिक सत्र, कवि दरबार, 'साझी विरासत-साझा सम्मान' तथा 'खुशबू-ए-महफिल' जैसे विशेष सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों के माध्यम से हिंदी, उर्दू एवं पंजाबी साहित्य की विविध विधाओं और सांस्कृतिक विशेषताओं को मंच प्रदान किया गया।

नितिन नवीन का डीपफेक वीडियो वायरल

दिल्ली भाजपा ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के कथित फर्जी बयान सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जाने के मामले में दिल्ली भाजपा ने दिल्ली पुलिस में आपराधिक शिकायत दर्ज कराई है। भाजपा ने आरोप लगाया कि 22 नवंबर को चंडीगढ़ में आयोजित जनसभा के वास्तविक वीडियो के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डीपफेक तकनीक के माध्यम से छेड़छाड़ कर भ्रामक वीडियो तैयार किया गया और उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया।दिल्ली भाजपा अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर शिकायत सौंपी। प्रतिनिधिमंडल में सांसद प्रवीन खंडेलवाल, प्रदेश महामंत्री विष्णु



मित्तल, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश भाटिया, प्रदेश मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर और प्रदेश लीगल प्रमुख अधिवक्ता संकेत गुप्ता शामिल रहे। शिकायत के अनुसार सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में समाचार एजेंसी एएनआई की वास्तविक वीडियो कवरेज जैसी दिखने वाली रिकॉर्डिंग का इस्तेमाल कर कथित तौर पर डिजिटल छेड़छाड़ की गई। इसमें भारत-चीन संबंधों, पाकिस्तान, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सम्मेलन और स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एमके-1 जैसे संवेदनशील विषयों पर नितिन नवीन के नाम से ऐसे बयान प्रसारित किए गए, जो भाजपा के अनुसार उन्होंने अपने वास्तविक संबोधन में नहीं दिए थे। पुलिस को शिकायत सौंपने के बाद हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि राजनीतिक विरोध और वैचारिक मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा हैं, लेकिन तकनीक का दुरुपयोग कर किसी नेता के नाम से फर्जी भाषण तैयार करना और उसे वास्तविक बताकर प्रसारित करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में नहीं आता। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में असहमति का अधिकार है, लेकिन डिजिटल जालसाजी और दुष्प्रचार का कोई औचित्य नहीं है। भाजपा ने अपनी शिकायत में भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के तहत जांच और कार्रवाई की मांग की है। पार्टी ने पुलिस से प्राथमिकी दर्ज करने, संबंधित सोशल मीडिया खातों की पहचान करने, उनके आईपी लॉग और अन्य डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखने तथा मूल एएनआई वीडियो और कथित छेड़छाड़ वाले वीडियो का साइबर फॉरेंसिक परीक्षण कराने का अनुरोध किया है। इसके अलावा वीडियो तैयार करने और प्रसारित करने में शामिल लोगों की पहचान कर संबंधित सोशल मीडिया मंचों से विवादित सामग्री हटाने की कार्रवाई करने की मांग भी की गई है। भाजपा नेताओं ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल नवाचार और जनकल्याण के लिए होना चाहिए, न कि फर्जी बयान तैयार कर राष्ट्रीय नेतृत्व की छवि खराब करने और जनता के बीच भ्रम फैलाने के लिए।

दिल्ली भाजपा 26 नवम्बर को संविधान गौरव दिवस समारोह करेगी आयोजित, अमित शाह होंगे मुख्य अतिथि

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली ईकाई 26 नवबंर को सिविक सेंटर में संविधान गौरव दिवस समारोह का आयोजन करने जा रही है। इस समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रुप में शामिल होंगे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सोमवार को पार्टी प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि इस समारोह का आयोजन संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करने और संविधान के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि समारोह में दिल्ली के बुद्धिजीवी वर्ग को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली के सभी सांसदों एवं आमंत्रित बुद्धिजीवियों की उपस्थिति में इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करेंगी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि संविधान लागू होने के बाद भी कांग्रेस सरकारों ने राजनीतिक स्वार्थ के लिए संविधान में संशोधन किए। मल्होत्रा ने कहा कि आज कांग्रेस नेता संविधान की छोटी प्रति जेब में रखकर बात-बात पर संविधान की शपथ लेते हैं, इन लोगों ने संविधान की मूल भावना की हत्या कर दी। 1975 में इसी कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाकर नागरिकों के मूल अधिकारों का हनन किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता रहते प्रेस पर सेंसरशिप लगाई और लाखों लोगों को जेल में बंद कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ही तरह आम आदमी पार्टी भी अराजक पार्टी है, जिसके मुख्यमंत्री रहते अरविंद केजरीवाल ने न सिर्फ राजपथ (कर्तव्य पथ) पर धरना दिया।

कोर्ट ने मानहानि के मामले में यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ जारी किया गैर-जमानती वारंट

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। यह मामला आठ साल पुराने आपराधिक मानहानि केस से जुड़ा है, जिसे विकास सांकृत्यायन (उर्फ विकास पांडे) ने 'भाजपा आईटी सेल पार्ट 2' शीर्षक वाले एक वीडियो को लेकर दायर किया था। साकेत कोर्ट ने ध्रुव राठी के अदालत में पेश न होने पर वारंट जारी किया है। अदालत ने इस बात पर गौर किया कि कार्यवाही के दौरान उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने में बार-बार मुश्किलें आ रही थीं। अब अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 3 दिसंबर की तारीख तय की है। यह नया आदेश तब आया है, जब अदालत ने 31 अक्टूबर को ध्रुव राठी के खिलाफ एक और जमानती वारंट जारी किया था और निर्देश दिया था कि इसे उनके गुरुग्राम वाले पते पर तामील कराया जाए। हालांकि, इस वारंट की तामील नहीं हो सकी। इससे पहले, 17 अक्टूबर को भी अदालत ने इस यूट्यूबर के खिलाफ एक जमानती वारंट जारी किया था। ऐसा तब किया गया, जब अदालत को बताया गया कि नया समन तामील नहीं हो सका क्योंकि उनके घर पर ताला लगा हुआ था। 17 अक्टूबर वाले वारंट की भी तामील नहीं हो पाई क्योंकि अदालत को जानकारी मिली कि यह वारंट ऑस्ट्रिया के एक गलत पते पर भेज दिया गया था।यह मामला 'भाजपा आईटी सेल पार्ट 2' नाम के एक वीडियो से जुड़ा है, जिसमें कथित तौर पर विकास पांडे की छवि खराब की गई थी। 2018 में आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी इस वीडियो को रीट्वीट किया था। बाद में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के सामने माना कि इसे साझा करके उनसे गलती हुई थी।

संक्षिप्त डायरी

आवारा कुत्तों की नसबंदी के लिए नई एजेंसियां चुनी जाएंगी

अनप्लग इंडिया

नोएडा। आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण के लिए नए सिरे से एजेंसियों का चयन किया जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण ने टेंडर जारी कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि एजेंसियों के बेहतर तरीके से काम करने से कुत्तों की संख्या में कमी आएगी।शहर में आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। आए दिन कुत्तों के जरिए काटने के मामले सामने आ रहे हैं। प्राधिकरण की ओर से अभी काम कर रही एजेंसी बेहतर तरीके से काम नहीं कर रही है। इसके अलावा उसके अनुबंध का समय भी समाप्त होता जा रहा है। ऐसे में प्राधिकरण ने नए सिरे से एजेंसियों का चयन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसियों के चयन के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। इस टेंडर प्रक्रिया में एजेंसियां 26 नवंबर को शाम पांच बजे तक आवेदन कर सकती हैं। इसके बाद अगले दिन यानि 27 नवंबर को टेंडर खोला जाएगा। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि इस टेंडर के तहत जिस एजेंसी को काम दिया जाएगा, उसका अनुभव भी देखा जाएगा। नोएडा जैसे शहर में कुत्तों से संबंधित मामलों के लिए बेहतर एजेंसी की जरुरत है। गौरलब है कि बीते महीने ही एक दो सोसाइटी में कुत्तों से जुड़े मामले काफी चचाओं में रहे थे। कुत्तों के मामले में ही प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक को हटा दिया गया था। वहीं, इसके अलावा सेक्टर-135 स्थित नगली वाजिदपुर में बनी अस्थाई गौवंश आश्रय स्थल में एक साल के लिए कटा हरा चारा की आपूर्ति करने के लिए भी टेंडर जारी किया गया है। इसके लिए एजेंसियों से भी आवेदन मांगे गए हैं।

बिल्डर कंपनी के प्रतिनिधि को जान से मारने की दी धमकी, मुकदमा

अनप्लग इंडिया

नोएडा। बिल्डर कंपनी एटीएस के प्रतिनिधि ने एक व्यक्ति के खिलाफ एक्सप्रेसवे थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने आरोपी पर बकाया रकम मांगने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता विपिन लखीरा ने पुलिस को बताया कि उनकी कंपनी ने वर्ष 2018 में सेक्टर-152 में किंगहुड ड्राइव नामक एक प्रोजेक्ट निकाला था जिसमें दुकानें प्रस्तावित थीं। बहुत लोगों ने उसमें पैसा लगाया था जिसमें शफी अनवर ने भी 585 वर्ग फुट की एक दुकान खरीदी थी। शफी अनवर ने 72.30 लाख रुपये में से 27.50 लाख रुपये का भुगतान किया है। आरोप है कि जब उससे बकाया मांगा गया तो वह भुगतान करने के बजाय कंपनी पर दबाब बनाने का प्रयास कर रहा है। 12 सितंबर से 11 नवंबर के बीच आरोपी ने कई बार गाली गलौज की और मारने की धमकी दी। आरोपी की धमकी के चलते शिकायतकर्ता को जान का खतरा सता रहा है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सस्ती झाड़ू का झांसा देकर दुकानदार से ठगी

अनप्लग इंडिया

नोएडा। साइबर ठगों ने धनतेरस पर झाड़ू की आपूर्ति करने का झांसा देकर एक दुकानदार से 6.44 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने फेसबुक के माध्यम से थोक झाड़ू विक्रेता का नंबर तलाशा था। आरोपियों ने सस्ती दर पर झाड़ू उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाकर उनसे ऑनलाइन भुगतान करा लिया। रकम मिलने के बाद आरोपियों ने झाड़ू की आपूर्ति नहीं की और संपर्क तोड़ दिया। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-63 थाना क्षेत्र के बहलोलपुर गांव निवासी नरेश सहनी ने पुलिस को बताया कि गांव में उनकी किराना की दुकान है। दीपावली से पूर्व उन्हें भारी मात्रा में झाड़ू की आवश्यकता थी। इसके लिए उन्होंने फेसबुक पर झाड़ू के एक थोक विक्रेता का नंबर खोजा। फोन पर बात करने पर उसने खुद को थोक विक्रेता बताया। सस्ती दर पर झाड़ू देने का विश्वास दिलाया। उसने कम से कम छह लाख रुपये का माल खरीदने की शर्त रखी। बाजार से कम रेट होने के चलते मोलभाव करके झाड़ू का ऑर्डर दिया। जालसाज ने ऑनलाइन 8.25 लाख रुपये का बिल भेजा। दोनों के बीच 6,44,010 रुपये में सौदा हुआ। उसने ऑनलाइन भुगतान मांगा। पीड़ित का कहना है कि उन्होंने अपने अलग-अलग बैंक खातों से कुल सात बार में भुगतान कर दिया। पहली बार में पंजाब नेशनल बैंक के खाते से पांच लाख 50 हजार दस रुपये ट्रांसफर किए। दूसरी बार में एक्सिस बैंक के खाते से 40 हजार रुपये तथा मनी ट्रांसफर के माध्यम से 99 हजार रुपये ट्रांसफर किए। गए इस प्रकार उन्होंने कुल 6,44,010 ट्रांसफर किए। इसके बाद वह झाड़ू के बंडलों की आपूर्ति का इंतजार करने लगे। एक दो दिन तक आरोपी ने उनसे संपर्क रखा, लेकिन बाद में संपर्क तोड़ दिया। कई दिन बीत जाने के बाद भी जब झाड़ू की आपूर्ति नहीं हुई तो ठगी का एहसास हुआ। उन्होंने फौरन इसकी सूचना पुलिस को दी और पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस का कहना है की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पुलिस ने लोगों से अपील की है कि बिना सत्यापित वेंडर के किसी को भी ऑनलाइन भुगतान न करें।

सिक्योरिटी एजेंसी के जीएसटी नंबर का दुरुपयोग कर 77.89 लाख के बिल लगाने का आरोप

अनप्लग इंडिया

नोएडा। सिक्योरिटी एजेंसी के जीएसटी नंबर का दुरुपयोग कर कई कंपनियों के बिल लगाकर 77.89 लाख रुपये की गड़बड़ी का मामला सामने आया है। कंपनी को इस बात की जानकारी तब हुई जब जीएसटी विभाग द्वारा उन्हें नोटिस दिया गया। कंपनी की ओर से साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। कंपनी प्रतिनिधि सुमित कुमार ने पुलिस को बताया कि उनकी सूरजपुर में एक सुरक्षा एजेंसी चलाने की कंपनी है। पीड़ित के अनुसार, जीएसटी विभाग द्वारा उन्हें नोटिस दिया गया कि उन्होंने करीब 77 लाख 89 हजार 663 रुपये की टैक्स चोरी की है। पीड़ित के अनुसार जब उन्होंने जांच की तो पता चला कि किसी ने धोखे से उनका फोन का एक्सेस प्राप्त कर ओटीपी हासिल कर लिया और उनके फर्म की जीएसटी नंबर का गलत इस्तेमाल करके कई अनजान कंपनियों को टैक्स का लाभ पहुंचाया। जिन कंपनियों के नाम पर यह फर्जी लेनदेन दिखाया गया है, उनसे उनकी कंपनी का कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने बताया कि इन कंपनियों से उनकी कोई व्यक्तिगत पहचान भी नहीं है। पीड़ित ने अपने अकाउंटेंट सौरभ झा पर संदेह जताया है कि उसने उनके मोबाइल से ओटीपी ऑनलाइन साइबर क्राइम के माध्यम से प्राप्त कर, उसका गलत प्रयोग करके यह गड़बड़ी की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दुकानदार ने मारपीट का लगाया आरोप

अनप्लग इंडिया

नोएडा। फेज-तीन थाना क्षेत्र के गढ़ी चौखंडी में किराने की दुकान करने वाले दुकानदार और उसके बेटों को पीटने का मामला सामने आया है। पीड़ित दुकानदार ने तीन लोगों पर रंजिश में मारपीट करने और दुकान का सामान बाहर फेंकने का आरोप लगाया है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गढ़ी चौखंडी गांव में रहने वाले कृष्णपाल ने पुलिस को बताया कि वह गांव में किराने की दुकान करते हैं। चार नवंबर की रात करीब साढ़े नौ बजे गांव के सूरज, मांगेराम और रणधीर आए। आरोप है कि तीनों अभद्रता करने लगे। इसका विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट करनी शुरू कर दी। बचाने आने पर आरोपियों ने कृष्णपाल के बेटों से भी मारपीट की। दुकान का सामान भी बाहर फेंक दिया। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी मदद ली जा रही है।

सनातन धर्म की रक्षा के संकल्प के साथ राष्ट्र रक्षा यज्ञ का आयोजन

एजेंसी

नोएडा। वनवासी रक्षा परिवार फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार को शहर के सेक्टर गामा-1 स्थित गौरीशंकर मंदिर में राष्ट्र रक्षा यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत यज्ञ से पूर्व सामूहिक मंत्र और प्राणायाम के साथ हुई। आयोजन के माध्यम से समाज को सनातन धर्म एवं संस्कृति के संरक्षण, सामाजिक समरसता, राष्ट्रप्रेम और आपसी एकता का संदेश दिया गया। यज्ञ में राष्ट्र की सुरक्षा, शांति, सुख-समृद्धि, सनातन धर्म की रक्षा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण की कामना की गई।

रॉन्ग साइड के 'हत्यारे' ने छीनी युवक की जिंदगी, जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा राहुल, पुलिस बनी तमाशबीन

अनप्लग इंडिया

नोएडा। शहर में रॉन्ग साइड से दौड़ रहे मौत के सौदागरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर नोएडा पुलिस और ट्रैफिक सिस्टम की पोल खोलकर रख दी है। पर्थला फ्लाईओवर पर रॉन्ग साइड से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने 23 वर्षीय युवक राहुल शर्मा को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि वह खून से लथपथ सड़क पर तड़पता रह गया। राहुल कोई आम युवक नहीं, बल्कि वरिष्ठ मीडियाकर्मी दयाल शर्मा का बेटा है। आज वह सर्वोदय अस्पताल, गौर सिटी-2 में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। सुबह 6 बजे मौत





बनकर आया अज्ञात वाहन यह खौफनाक हादसा 15 नवंबर 2026 की सुबह करीब 6 बजे हुआ। राहुल शर्मा अपनी बाइक से घर लौट रहा था। जैसे ही वह थाना 113 क्षेत्र के अंतर्गत पर्थला चौकी के पास हिंडन नदी के पुल पर पहुंचा, तभी सामने से रॉन्ग साइड में मौत बनकर आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उसे कुचल दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि राहुल उछलकर दूर जा गिरा। उसका सिर, हाथ और पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद आरोपी चालक उसे तड़पता छोड़कर फरार हो गया। अगर समय पर राहगीर 112 पर कॉल न करता, तो शायद आज राहुल इस दुनिया में नहीं होता। 15 दिन से अस्पताल में जंग, लाखों का बिल, परिवार पर टूटा पहाड़ 15 नवंबर से राहुल का सर्वोदय अस्पताल में इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक उसकी हालत अब भी नाजुक बनी हुई है। अब तक इलाज पर लाखों रुपये खर्च हो चुके हैं और डॉक्टरों ने कई और जटिल ऑपरेशनों की बात कही है। एक मीडियाकर्मी का परिवार आज आर्थिक संकट से जूझ रहा है। पिता दयाल शर्मा की आंखों में आंसू हैं और सिर्फ एक ही सवाल है - ₹मेरे बेटे का गुनहगार कहां है?₹ पुलिस की कार्यशैली पर बड़े सवाल! सबसे बड़ा सवाल नोएडा पुलिस पर खड़ा हो रहा है। पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा तो दर्ज कर लिया है, लेकिन 8 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी का कोई सुराग नहीं है। पीड़ित परिवार का सीधा आरोप है - 1. पुलिस ने अभी तक घटनास्थल के आसपास के उ0ळ्श फुटेज तक नहीं खंगाले! 2. अज्ञात वाहन का हवाला देकर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है!3. आशंका है कि जल्द ही फाइल बंद कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा! कब जागेगी ट्रैफिक पुलिस? नोएडा के फ्लाईओवरों पर रॉन्ग साइड चलना फैशन बन गया है। पर्थला, चार मूर्ति चौक जैसे व्यस्त इलाकों में रोजाना सैकड़ों वाहन गलत दिशा से दौड़ते हैं, लेकिन ट्रैफिक पुलिस आंखें मूंदे बैठी है। सवाल उठता है - - क्या किसी बड़ी हस्ती के बेटे के साथ हादसा होता, तब भी पुलिस इतनी ही सुस्त रहती? - रॉन्ग साइड चालकों पर शिकंजा कब कसेगा?
- क्या राहुल को इंसाफ मिलेगा या यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा? शहर के लोग आक्रोश में हैं। अगर जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो मीडियाकर्मियों और सामाजिक संगठनों ने बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है। कुछ जोड़ना हो तो जोड़ लेना एनजीओ के अध्यक्ष का नाम

सेक्टर-6 की निजी कंपनी में देर रात लगी भीषण आग, उठने लगी आग की ऊंची लपटें,



अनप्लग इंडिया

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-6 स्थित बी-1 की एक निजी कंपनी में रविवार देर रात अचानक भीषण आग लग गई। आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार देखकर आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। आग की भयावहता को देखते हुए अतिरिक्त दमकल गाड़ियां भी बुलाई गईं। दमकल विभाग की करीब 15 गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद मौके पर कूलिंग का काम शुरू किया गया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है।

पंचशील हाईनिश में प्रदर्शन के दौरान मारपीट और महिलाओं से अभद्रता का आरोप

अनप्लग इंडिया

नोएडा। पंचशील हाईनिश सोसाइटी में एओए का कार्यकाल समाप्त होने के बावजूद चुनाव नहीं कराए जाने के विरोध में रविवार को निवासियों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान एओए कार्यालय में विवाद हो गया। लोगों ने एओए अध्यक्ष और सचिव पर महिलाओं से अभद्रता करने और एक निवासी के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। घटना के विरोध में करीब 200 निवासी बिसरख थाने पहुंचे और पुलिस से कार्रवाई की मांग की। लोगों का आरोप है कि वर्तमान एओए निष्पक्ष चुनाव कराने में बाधा डाल रही है। इसके अलावा एसटीपी पर करीब 75 लाख रुपये के जुमार्ने, सरकारी नोटिस और एनपीसीएल से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों की जानकारी भी लोगों को नहीं दी जा रही है। इससे सोसाइटी के प्रबंधन और वित्तीय



पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान एओए कार्यालय में हुए विवाद को लेकर लोगों ने अध्यक्ष विनोद नेगी और सचिव विजय कुमार रस्तोगी पर प्रदर्शनकारियों के साथ अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया। आरोप है कि अध्यक्ष विनोद नेगी पर निवासी अनुज सैनी के साथ मारपीट करने का भी आरोप लगाया गया है। इसमें अनुज के हाथ और सिर में चोट लगने की बात कही गई है। लोगों का आरोप है कि मोनिका सैनी, वंदना सिंह और विजेता सिंह समेत अन्य महिलाओं के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया। पीड़ित महिलाओं ने मामले की शिकायत महिला आयोग में दर्ज कराई है। घटना से नाराज करीब 200 निवासी, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं, बिसरख थाने पहुंचे और पुलिस को शिकायत देकर निष्पक्ष जांच की मांग की। लोगों ने जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त और महिला आयोग से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उनका कहना है कि सोसाइटी में जिला रजिस्ट्रार की निगरानी में स्वतंत्र और निष्पक्ष एओए चुनाव कराए जाएं, ताकि निवासियों को अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार मिल सके। साथ ही मारपीट और महिलाओं से अभद्रता के आरोपों की जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। इस मामले को लेकर अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन उनके द्वारा फोन नहीं उठाया जा रहा है।

युवा संसद में बहस के बाद नकल रोकथाम अधिनियम पारित

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। जैकबपुरा स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को मंडल स्तरीय युवा संसद का आयोजन किया गया। छात्राओं ने संसद की कार्यवाही का जीवंत प्रदर्शन करते हुए देश के ज्वलंत मुद्दों पर पक्ष और विपक्ष की भूमिका निभाई। विपक्ष ने बढ़ती महंगाई को लेकर सरकार को घेरा। सदन में मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर), मिलावटी ईंधन और दिल्ली में बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण जैसे मुद्दों पर भी तीखी बहस हुई। चर्चा के बाद परीक्षा नकल रोकथाम अधिनियम-2026 को सदन में पारित किया गया। कार्यक्रम एससीईआरटी हरियाणा के दिशा-निर्देशों और डाइट गुरुग्राम के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। मंडल स्तरीय



पर्यवेक्षक डॉ. संजय कुमार ने कार्यक्रम का निरीक्षण किया। निर्णायक मंडल में अमित काजल और विनोद नापा शामिल रहे। अरुण कुमार राघव, कनिका भारद्वाज और रश्मि पवार ने छात्राओं के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवा संसद विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, तार्किक क्षमता और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की समझ विकसित करने का बेहतर माध्यम है। विद्यालय की प्रधानाचार्य सीमा सैनी के नेतृत्व में रीना यादव, शर्मिला यादव और अरविंदर कौर ने छात्राओं को कार्यक्रम की तैयारी करवाई। आयोजन में विद्यालय के अन्य शिक्षकों और डाइट गुरुग्राम के सदस्यों का भी विशेष योगदान रहा।

गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर नगर कीर्तन निकाला

अनप्लग इंडिया

नोएडा। श्री गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में रविवार को ग्रेटर नोएडा में नगर कीर्तन निकाला गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। वाहेगुरु के जयकारों और गुरुबाणी कीर्तन से माहौल भक्तिमय हो गया। वहीं गुरु नानक देव की जयंती पर 24 नवंबर को नॉलेज पार्क में भव्य कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी चल रही है। सरदार मनजीत सिंह ने बताया कि नगर कीर्तन का शुभारंभ नॉलेज पार्क-3 स्थित गुरुद्वारा श्री कलगीधर सिंह सभा से हुआ। पंज प्यारों की अगुवाई में नगर कीर्तन अमृतपुरम चौक, बीटा-1, रामपुर बाजार चौक, गामा-2 गेट, स्वर्णहार, लेबर चौक होते हुए अल्फा-2 स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु नानक देव दरबार में पहुंचकर संपन्न हुआ। इस दौरान रास्ते श्रद्धालुओं ने फूलों की वर्षा कर नगर कीर्तन का स्वागत किया। जगह-जगह लंगर, प्रसाद और जलपान की सेवा की गई। गतका पार्टी के



करतबों ने भी संगत का मन मोह लिया। आयोजकों के अनुसार नगर कीर्तन का उद्देश्य गुरु नानक देव की शिक्षाओं, प्रेम, सेवा, समानता और भाईचारे को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना है। नगर कीर्तन में सरनजीत सिंह, मनजीत सिंह, हरजीत सिंह, टिंकू सिंह, रविंदर सिंह, हरेंद्र भाटी, रणबीर सिंह, वीरत मरवाह, अवतार सिंह, बोस्ता सिंह सहित गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य और बड़ी संख्या में शहरवासी शामिल हुए।

पार्किंग से कार चुराने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

अस्पताल की पार्किंग से कार चुराने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

अनप्लग इंडिया

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित फोर्टिस अस्पताल की पार्किंग से कार चोरी करने वाले तीन आरोपियों को सेक्टर-58 थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की कार भी बरामद कर ली है। आरोपियों की पहचान कासगंज निवासी 20 वर्षीय निकुंज मनि, 22 वर्षीय रंजीत कुमार और 19 वर्षीय शांतनु यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय खुफिया जानकारी की मदद से तीनों को रविवार को सेक्टर-57 स्थित जुबिलेंट पार्क



के पास से गिरफ्तार किया। एसीपी मयंक तिवारी ने बताया कि रंजीत कुमार अपने कंधे का इलाज कराने फोर्टिस अस्पताल आया था। उसके साथ उसका दोस्त शांतनु यादव भी था। रात के समय दोनों अस्पताल की पार्किंग में घूम रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर वहां खड़ी एक किआ सेल्टोस कार पर पड़ी। दोनों ने पार्किंग से कार की चाबी चुरा ली। रंजीत के कंधे में चोट थी, जबकि शांतनु को कार चलानी नहीं आती थी। ऐसे में दोनों ने अपने दोस्त निकुंज मनि को फोन कर पूरी योजना बताई और उसे मौके पर बुला लिया। इसके बाद निकुंज और शांतनु कार लेकर अस्पताल से फरार हो गए, जबकि रंजीत वहीं रुक गया। अगले दिन अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वह कासगंज चला गया। तीनों ने कार चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए अपनी-अपनी भूमिका तय कर रखी थी। एसीपी मयंक तिवारी ने बताया कि रंजीत कुमार अपने कंधे का इलाज कराने के लिए फोर्टिस अस्पताल आया था। उसके साथ शांतनु यादव भी था। रात में दोनों अस्पताल की पार्किंग में घूम रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर वहां खड़ी किआ सेल्टोस कार पर पड़ी। दोनों ने पार्किंग से कार की चाबी उठा ली। रंजीत के कंधे में चोट थी और शांतनु को कार चलानी नहीं आती थी। ऐसे में दोनों ने मामले की शिकायत महिला आयोग में दर्ज कराई है। घटना से नाराज करीब 200 निवासी, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं, बिसरख थाने पहुंचे और पुलिस को शिकायत देकर निष्पक्ष जांच की मांग की। लोगों ने जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त और महिला आयोग से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उनका कहना है कि सोसाइटी में जिला रजिस्ट्रार की निगरानी में स्वतंत्र और निष्पक्ष एओए चुनाव कराए जाएं, ताकि निवासियों को अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार मिल सके। साथ ही मारपीट और महिलाओं से अभद्रता के आरोपों की जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। इस मामले को लेकर अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन उनके द्वारा फोन नहीं उठाया जा रहा है। अस्पताल की पार्किंग में घूम रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर वहां खड़ी किआ सेल्टोस कार पर पड़ी। दोनों ने पार्किंग से कार की चाबी उठा ली। रंजीत के कंधे में चोट थी और शांतनु को कार चलानी नहीं आती थी। ऐसे में दोनों ने अपने दोस्त निकुंज मनि को फोन कर पूरी योजना बताई और उसे मौके पर बुला लिया। इसके बाद निकुंज और शांतनु कार लेकर अस्पताल से फरार हो गए, जबकि रंजीत वहीं रुक गया। अगले दिन अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वह कासगंज चला गया। तीनों ने कार चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए अपनी-अपनी भूमिका तय कर रखी थी। एसीपी मयंक तिवारी ने बताया कि रंजीत कुमार अपने कंधे का इलाज कराने के लिए फोर्टिस अस्पताल आया था। उसके साथ शांतनु यादव भी था। रात में दोनों अस्पताल की पार्किंग में घूम रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर वहां खड़ी किआ सेल्टोस कार पर पड़ी। दोनों ने पार्किंग से कार की चाबी उठा ली। रंजीत के कंधे में चोट थी और शांतनु को कार चलानी नहीं आती थी। ऐसे में दोनों ने अपने दोस्त निकुंज मनि को फोन कर पूरी योजना बताई और उसे मौके पर बुला लिया। इसके बाद निकुंज और शांतनु कार लेकर अस्पताल से निकल गए। वहीं, रंजीत अस्पताल में ही रुका रहा। अगले दिन डिस्चार्ज होने के बाद वह कासगंज चला गया। इस तरह तीनों ने मिलकर कार चोरी की वारदात को अंजाम दिया और अपनी भूमिका अलग-अलग बांट ली। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की कार बरामद कर ली है। जिस समय आरोपियों की गिरफ्तारी हुई वे चोरी की कर को बेचने की फिराक में थे। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर उनके आपराधिक इतिहास और अन्य संभावित वारदातों के बारे में जानकारी जुटा रही है। अभी तक की पूछताछ में सामने आया है कि तीनों आरोपियों के ऊपर कर्ज था इसी कर्ज को उतारने के लिए उन्होंने कर चोरी की योजना बनाई थी।

संपादकीय

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भरोसे शासन? गलती मशीन की, भुगतेगा नागरिक!

सरकारें आज तकनीक के सहारे तेज, पारदर्शी और प्रभावी शासन का दावा कर रही हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को प्रशासनिक सुधार, जनसेवा और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया औजार बताया जा रहा है। सरकारी कार्यालयों में नागरिकों के प्रश्नों के उत्तर देने से लेकर योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान, शिकायतों के विश्लेषण और निर्णय प्रक्रिया तक एआई का प्रवेश तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन तकनीक के चमकदार प्रचार के बीच एक बुनियादी सवाल दबता जा रहा है–यदि मशीन गलत निर्णय देगी, तो नागरिक न्याय के लिए किस दरवाजे पर दस्तक देगा? शासन में एआई का प्रयोग सुविधा का विषय जरूर है, लेकिन इसे जवाबदेही से मुक्त प्रयोगशाला नहीं बनाया जा सकता।



जनरेटिव एआई की सबसे खतरनाक प्रवृत्ति यह है कि वह गलत जानकारी भी पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत कर सकता है। वह ऐसे नियम, तथ्य, आँकड़े या पात्रता शर्तें बता सकता है, जो वास्तविकता में मौजूद ही न हों। आम नागरिक मशीन के उत्तर को सरकारी प्रमाणिकता समझ सकता है। यदि किसी वृद्ध व्यक्ति को पेंशन की पात्रता गलत बता दी जाए, किसी विद्यार्थी को छात्रवृत्ति के संबंध में भ्रमित कर दिया जाए या किसी किसान को सरकारी योजना की गलत जानकारी मिल जाए, तो नुकसान केवल तकनीकी त्रुटि नहीं रह जाता; वह नागरिक के अधिकार पर चोट बन जाता है। सरकार के लिए एआई की गलती एक आँकड़ा हो सकती है, लेकिन नागरिक के लिए वह भूख, आर्थिक संकट, अवसर की हानि और निराशा बन सकती है। विडंबना यह है कि सरकारी व्यवस्था में पहले से मौजूद मानवीय लापरवाही, अस्पष्ट नियम और लालफीताशाही को यदि बिना सुधार किए एआई के हवाले कर दिया जाए, तो समस्या समाप्त नहीं होगी, बल्कि उसका डिजिटल विस्तार हो जाएगा। गलत व्यवस्था को मशीन से चलाने पर वह सही व्यवस्था नहीं बन जाती। यदि पुराना डेटा भेदभावपूर्ण है, तो एआई उसी भेदभाव को नए रूप में आगे बढ़ा सकता है। यदि प्रशासनिक सोच नागरिकों के प्रति संवेदनशील नहीं है, तो तकनीक संवेदनशीलता पैदा नहीं कर सकती। मशीन के पास गति हो सकती है, लेकिन न्यायबोध, सामाजिक अनुभव और मानवीय विवेक का विकल्प नहीं। एल्गोरिद्मिक पक्षपात शासन के लिए गंभीर खतरा है। भारत जैसे विविधतापूर्ण समाज में जाति, वर्ग, लिंग, क्षेत्र, भाषा और आर्थिक स्थिति से जुड़ी असमानताएँ पहले से मौजूद हैं। यदि इन्हीं असमानताओं से प्रभावित आँकड़ों के आधार पर एआई निर्णय लेने लगे, तो वंचित नागरिकों के साथ भेदभाव और अधिक अदृश्य हो सकता है। पहले अन्याय का चेहरा दिखाई देता था, अब वह गणना और तकनीकी प्रक्रिया के पीछे छिप सकता है। किसी व्यक्ति को योजना से बाहर कर दिया जाए और कारण केवल यह बताया जाए कि प्रणाली ने उसे योग्य नहीं पाया, तो यह आधुनिक प्रशासन नहीं, डिजिटल निरंकुशता का नया रूप होगा। निजता के मामले में भी सरकारों को आत्ममंथन करना चाहिए। नागरिक पहले ही अपनी पहचान, बैंक खाते, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य विवरण अनेक सरकारी प्रणालियों में उपलब्ध करा चुके हैं। क्या अब इन जानकारियों को एआई प्रशिक्षण और विश्लेषण के नाम पर अनियंत्रित रूप से इस्तेमाल किया जाएगा? क्या नागरिक की जानकारी पर सरकार का अधिकार असीमित है?

चीन की विस्तारवादी नीति और अमेरिका की दोहरी चाल के बीच भारत को अपनी ताकत पर रखना होगा भरोसा

-कांतिलाल मांडोत

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कोई भी देश स्थायी मित्र और स्थायी दुश्मन नहीं होता। प्रत्येक राष्ट्र अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखकर विदेश नीति तय करता है। भारत को भी चीन और अमेरिका के साथ संबंधों में इसी वास्तविकता को समझना होगा। चीन की विस्तारवादी मानसिकता और अमेरिका की दोहरी कूटनीति दोनों भारत के सामने अलग-अलग चुनौतियां खड़ी करती रही हैं। भारत ने हमेशा शांति, सहयोग और द्विपक्षीय संबंधों को महत्व दिया है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि कोई देश हमारी उदारता को कमजोरी समझने लगे।

चीन की भारत के प्रति नाराजगी और प्रतिस्पर्धा का इतिहास आज का नहीं है। अंग्रेजी शासन के दौर से ही दोनों देशों के बीच सीमाओं और क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर मतभेद रहे। आजादी के बाद भारत ने चीन के साथ मित्रता स्थापित करने की पहल की। भारत ने एशिया में सहयोग और शांतिपूर्ण सहअस्तित्व का संदेश दिया, लेकिन चीन ने 1962 के युद्ध के माध्यम से भारत को ऐसा घाव दिया जिसकी याद आज भी राष्ट्रीय सुरक्षा के सवाल पर सामने आती है। चीन ने शायद उस समय यह मान लिया था कि भारत लंबे समय तक उसकी चुनौती नहीं बन पाएगा। लेकिन आज का भारत 1962 वाला भारत नहीं है। आर्थिक विकास, आधुनिक तकनीक, अंतरिक्ष कार्यक्रम, मजबूत सैन्य क्षमता और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव ने भारत की स्थिति बदल दी है।

चीन आज भी अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा छोड़ने को तैयार नहीं है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर उसकी गतिविधियां और सैन्य मौजूदगी भारत के लिए चिंता का विषय हैं। पाकिस्तान के साथ उसकी नजदीकी भी किसी से छिपी नहीं है। जब पाकिस्तान आर्थिक संकट और अंतरराष्ट्रीय दबाव से गुजर रहा था, तब चीन ने उसे आर्थिक सहायता और निवेश के माध्यम से अपने प्रभाव में बनाए रखा। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा इसी रणनीतिक साझेदारी का उदाहरण है। पाकिस्तान को सैन्य और तकनीकी सहयोग देकर चीन भारत के सामने एक अतिरिक्त चुनौती खड़ी करता रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी पाकिस्तान को चीनी सहयोग मिलने की खबरों ने दोनों देशों की रणनीतिक नजदीकी को फिर चर्चा में ला दिया।

भारत ने इसके बावजूद चीन के साथ बातचीत के रास्ते बंद नहीं किए। दोनों देशों का ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मिलना और द्विपक्षीय संबंध सुधारने की कोशिश करना भारत की परिपक्व कूटनीति का परिचायक है। भारत चाहता है कि सीमा पर शांति रहे और व्यापारिक संबंध भी सामान्य बने रहें। लेकिन चीन को यह समझना होगा कि मित्रता का रास्ता विश्वास से होकर गुजरता है। सीमा पर तनाव बनाए रखते हुए आर्थिक सहयोग की अपेक्षा करना उचित नहीं है। हिंद महासागर में चीन की बढ़ती नौसैनिक गतिविधियां भी भारत की सुरक्षा और समुद्री हितों के लिए गंभीर विषय हैं।

अमेरिका की विदेश नीति को भी इसी दृष्टिकोण से समझने की आवश्यकता है। डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में



अमेरिका ने चीन को लेकर कभी सख्त रुख अपनाया तो कभी आर्थिक और कूटनीतिक जरूरतों के अनुसार उसे महत्व दिया। अमेरिकी राजनीति में चीन को लेकर एकराय नहीं दिखाई देती। भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी की बातें करने वाला अमेरिका चीन के साथ भी अपने हितों के अनुसार समझौते करने से पीछे नहीं हटता। यही उसकी कूटनीति की वास्तविकता है।

हाल ही में अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट में भारत के साथ सहयोग बढ़ाने के कई सुझाव दिए गए हैं। इनमें दवाओं के निर्माण में साझेदारी, भारत से लंबे समय तक दवाएं खरीदने की गारंटी, चीन की नौसेना की गतिविधियों से संबंधित खुफिया जानकारी साझा करना और दलाई लामा के उत्तराधिकारी के मुद्दे पर भारत के साथ सहयोग करना शामिल है। लेकिन यह समझना जरूरी है कि आयोग के सुझाव अमेरिकी सरकार की स्वीकृत नीति नहीं हैं। उन्हें लागू करना अमेरिकी कांग्रेस और सरकार के निर्णय पर निर्भर करेगा। इसलिए केवल सुझावों को देखकर अमेरिका की नीयत पर पूरा भरोसा करना जल्दबाजी होगी।

अमेरिका की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह अंतरराष्ट्रीय राजनीति में दोनों हाथों में लड्डू रखना चाहता है। भारत के साथ संबंध मजबूत करने की बात करता है और चीन के साथ अपने आर्थिक हितों को भी सुरक्षित रखता है। उसकी कथनी और करनी में कई बार अंतर दिखाई देता है। भारत को अमेरिका के साथ सहयोग करना चाहिए, लेकिन अपनी विदेश नीति किसी दूसरे देश की इच्छा पर आधारित नहीं करनी चाहिए। रूस और इजरायल ने कठिन परिस्थितियों में भारत के साथ सहयोग और विश्वास का रिश्ता बनाए रखा है। ऐसे देशों के साथ भारत के संबंधों का महत्व भी कम नहीं है।

आर्थिक मोर्चे पर भी भारत की बढ़ती ताकत को समझना जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अक्टूबर 2026 के अनुमान के अनुसार भारत की आर्थिक विकास दर 2026 में लगभग सात प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि अमेरिका की विकास दर 2.3 प्रतिशत आंकी गई है। यह अंतर बताता है कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। हालांकि आर्थिक विकास दर और अर्थव्यवस्था के कुल आकार में अंतर होता है। अमेरिका आज भी दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी है और उसकी वैश्विक आर्थिक तथा सैन्य शक्ति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लेकिन भारत की विकास गति यह संकेत देती है कि आने वाले वर्षों में वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में उसका प्रभाव और बढ़ेगा।

भारत को अब किसी देश की कृपा पर निर्भर रहने के बजाय अपनी आर्थिक, सैन्य और तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करना होगा। चीन को यह संदेश स्पष्ट मिलना चाहिए कि भारत शांति चाहता है, लेकिन अपनी संप्रभुता और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। अमेरिका को भी यह समझना होगा कि भारत किसी खेमे का पिछलग्गू बनने वाला देश नहीं है। भारत की विदेश नीति का आधार राष्ट्रीय हित, आत्मनिर्भरता और रणनीतिक स्वतंत्रता होना चाहिए।

दुनिया में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा कुछ देशों को असहज कर सकती है, लेकिन भारत को इससे विचलित होने की आवश्यकता नहीं है। महाशक्ति बनने का रास्ता किसी दूसरे देश को कमजोर दिखाने से नहीं, बल्कि अपनी ताकत बढ़ाने से बनता है। भारत को मित्रता का हाथ बढ़ाना चाहिए, मगर आंखें बंद करके किसी पर भरोसा नहीं करना चाहिए। यही बदलते वैश्विक समीकरणों में भारत की सबसे बड़ी कूटनीतिक शक्ति होगी।

घातक हैं विदेशों में राष्ट्र का अपमान करने की नीतियां

डा. रवीन्द्र अरजरिया

देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था निरंतर तार-तार हो रही है। संवैधानिक मर्यादायें हाशिये की ओर पहुंचती जा रहीं हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच वैचारिक मतभेद, नीतिगत असहमति और तीखी बहसें अब सदन के अंदर मारपीट, झूमाझटकी और गालीगलौज तक पहुंच जाती हैं किंतु जब यही राजनीतिक विरोध देश की भौगोलिक सीमाओं को लांघकर विदेशी मंचों पर राष्ट्र की छवि को धूमिल करने का माध्यम बन रहीं हैं। इसे केवल दलगत राजनीति मानना उचित नहीं है बल्कि राष्ट्रीय हितों पर सीधा प्रहार करने के अर्थों लिया जाना चाहिये। विगत वर्षों में यह प्रवृत्ति चिंताजनक रूप से बढ़ी है। देश के कुछ राजनेताओं व्दारा अपने विदेशी दौरों के दौरान भारत की आंतरिक चुनौतियों को अतिरंजित और विकृत रूप में प्रस्तुत किया, संवैधानिक संस्थाओं की साख पर प्रश्नचिह्न लगाये और देश को एक दयनीय, अस्थिर तथा संकटग्रस्त राष्ट्र के रूप में चित्रित किया हैं। यह न केवल राजनीतिक अपरिपक्वता का परिचायक है बल्कि राष्ट्र के प्रति आत्मघाती दृष्टिकोण को भी दर्शाता है। विदेशी विश्वविद्यालयों, थिंक टैंकों और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दिए जाने वाले ऐसे वक्तव्यों में प्रायः भारत की गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक ताने-बाने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता रहा है कि मानो देश किसी गहरे संवैधानिक संकट से जूझ रहा हो। विडंबना यह है कि जिन राजनेताओं को इन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आमंत्रित किया जाता है, उन्हें यह सम्मान और अवसर भारत के बढ़ते वैश्विक कद, उसकी विशाल अर्थव्यवस्था और जीवंत लोकतंत्र की साख के कारण ही प्राप्त होता है। आज भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष तथा विश्व बैंक जैसी वैश्विक संस्थाएं भारत को वैश्विक विकास का प्रमुख इंजन मान रही हैं। विगत वर्षों में भारत की जीडीपी में निरंतर विस्तार हुआ है, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में यूपीआई जैसे नवाचारों ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार बीते एक दशक में लगभग 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। ऐसे ठोस आंकड़ों और वैश्विक उपलब्धियों के बावजूद विदेशी धरती पर जाकर देश की दयनीय तस्वीर पेश करना तथ्यों के साथ खिलवाड़ ही कहा जाएगा। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि ऐसे अधिकांश विदेशी दौरे और व्याख्यानों के कार्यक्रम स्वाभाविक कम और सुनियोजित अधिक होते हैं। इन आयोजनों के पीछे षडयंत्रकारी अंतरराष्ट्रीय समूहों, लॉबिंग एजेंसियों और 'डीप स्टेट' नेटवर्क की भूमिका होने के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। यह सभी घातक संस्थायें भारत के तीव्र आर्थिक और सामरिक उत्थान से असहज हैं। जब कोई भारतीय जनप्रतिनिधि विदेशी मंच से यह कहता है कि भारत का लोकतंत्र खतरे में है या विदेशी शक्तियों को भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना चाहिए, तो वह अनजाने में या जानबूझकर उन ताकतों के एजेंडे को ही बल प्रदान करता है जो भारत को कमजोर और अस्थिर देखना चाहती हैं। इतिहास इस बात का साक्षी है कि भारत को कभी भी बाहरी आक्रमणकारियों से उतना नुकसान नहीं हुआ जितना अपनों के भीतरघात से हुआ है। सन् 1757 के प्लासी के युद्ध में मीरजाफर की महत्वाकांक्षा और विश्वासघात ने देश को दो सौ वर्षों की गुलामी की ओर धकेल दिया था। आज यदि कोई राजनेता सत्ता की लालसा या राजनीतिक कुंठा में विदेशी मंचों पर अपने ही देश की जड़ें काटने का कार्य करता है तो जनता के मन में मीरजाफर जैसे ऐतिहासिक पात्रों की स्मृति ताजा होना स्वाभाविक है। देश के भीतर और बाहर सक्रिय राष्ट्रविरोधी तत्वों की कार्यप्रणाली पर भी गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। सीमा पार से संचालित होने वाले दुष्प्रचार तंत्र और भारत की विकास यात्रा को बाधित करने के लिए सक्रिय नेटवर्क अपनी पूर्वनिर्धारित योजना के तहत पहले भारतीय नेताओं से बयान दिलवाते हैं, बाद में बयानों को हथियार बनाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के विरुद्ध विमर्श गढ़ा जाता है। जब भारत के ही जिम्मेदार पदों पर बैठे या रह चुके नेता विदेशी धरती पर देश की न्यायपालिका, चुनाव आयोग, मीडिया और सुरक्षा बलों पर पक्षपात का निराधार आरोप लगाते हैं, तो उसे आधार बनाकर सीमा पार के षड्यंत्रकारियों, भितरघातियों और विध्वंसकारी तत्वों को खुलकर खेलने लगते हैं। वे इन्हीं बयानों का हवाला देकर वैश्विक निवेशकों के मन में भारत के प्रति संदेह पैदा करने, कूटनीतिक दबाव बनाने की कोशिश करने तथा भारत की संप्रभुता को चुनौती देने का दुस्साहस करने में जुट जाते हैं। घरेलू राजनीति के नाम पर की गई गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी ही षडयंत्रकारियों के स्लीपर सेल और देश विरोधी गठजोड़ों के हाथों को हथियार प्रदान करती है। यह मूलभूत सत्य हर राजनेता को समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी देश की प्रतिष्ठा केवल सत्ताधारी दल की नहीं होती बल्कि वह सरकार, विपक्ष और प्रत्येक भारतीय नागरिक की सामूहिक पहचान होती है। जब कोई भारतीय नागरिक विदेश जाता है तो उसकी पहचान किसी राजनीतिक दल से नहीं बल्कि उसके भारतीय होने से होती है। भारत ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति, जी-20 की सफल अध्यक्षता, चंद्रयान-3 जैसे ऐतिहासिक अंतरिक्ष अभियानों और कोविड-19 महामारी के दौरान 'वैक्सीन मैत्री' के माध्यम से विश्व बंधुत्व का जो उदाहरण प्रस्तुत किया है, उससे हर भारतीय का मस्तक गर्व से ऊंचा हुआ है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत में दशकों से सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण होता आया है, जो हमारी संवैधानिक परिपक्वता का सबसे बड़ा प्रमाण है। वर्ष 1975 के आपातकाल जैसे काले अध्याय को भी भारतीय जनता ने अपने मत के अधिकार से परास्त कर लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत किया था। ऐसे गौरवशाली लोकतांत्रिक इतिहास वाले देश के संविधान की धज्जियां उड़ाने और संस्थाओं को पंगु बताने की मनगढंत कहानियां सुनाना न केवल देश के करोड़ों मतदाताओं का अपमान है, बल्कि भारतीय संविधान के निर्माताओं की भावना के भी विपरीत है। राजनीति में सत्ता का आना-जाना एक निरंतर प्रक्रिया है। आज जो विपक्ष में है, कल वह सत्ता में हो सकता है और आज जो सत्ता में है, कल वह विपक्ष में बैठ सकता है किंतु राष्ट्र सदैव सर्वोपरि और शाश्वत रहता है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने वर्ष 1994 में जब तत्कालीन नरसिम्हा राव सरकार के आग्रह पर जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के मंच पर भारत का पक्ष रखा था तब उन्होंने विपक्ष का नेता होते हुए भी दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि माना था। भारतीय राजनीति का यह स्वर्णिम आदर्श आज के उन नेताओं के लिए एक आईना है जो व्यक्तिगत और दलीय स्वार्थों के लिए विदेशी मंचों पर देश की प्रतिष्ठा को दांव पर लगाने में भी संकोच नहीं करते। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार अवश्य है परन्तु राष्ट्र के सम्मान से समझौता करने का अधिकार किसी को नहीं है। देश की समस्याओं का समाधान भारत की संसद, न्यायपालिका, संवाद और जनता के बीच रहकर ही निकाला जा सकता है, न कि विदेशी विश्वविद्यालयों के सभागारों या विदेशी मीडिया के मंचों पर देश की शिकायत करके। ऐसे में यदि राजनेताओं ने समय रहते अपनी इस आत्मघाती नीति में सुधार नहीं किया तो देश की जागरूक जनता लोकतांत्रिक तरीके से उन्हें कभी क्षमा नहीं करेगी। राष्ट्र सर्वोपरि है और इसकी वैश्विक साख की रक्षा करना सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का समान रूप से पवित्र कर्तव्य है। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

तो इन्हें है देश के सम्मान की चिंता ?

-तनवीर जाफ़री

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी के निशाने पर हैं। दरअसल पिछले दिनों न्यूयॉर्क स्थित अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में संवाद के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि भारत 'आर्थिक संकट ' के मुहाने पर खड़ा है और यहाँ बेरोज़गारी, शिक्षा व्यवस्था तथा चुनावी प्रक्रिया को लेकर गंभीर समस्याएं हैं। भाजपा राहुल गाँधी द्वारा विदेश जाकर की जाने वाली ऐसी आलोचनाओं को सहन नहीं कर पाती और इसे देश विरोधी प्रचार बताती है। राहुल गांधी के भाषण पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने इसे देश को बदनाम करने वाला बताया और उनके इस इस दावे को भी ख़ारिज किया कि भारत की अर्थव्यवस्था ख़त्म हो चुकी है या आर्थिक संकट में है। रिजिजू ने यह आरोप भी लगाया कि राहुल गांधी ने भारत की सभ्यता, परंपराओं, लोकतंत्र और संविधान को कमज़ोर करने वाली मानसिकता बना ली है। उन्होंने यह संगीन आरोप भी लगाया कि देश-विरोधी और वामपंथी विचारधारा वाली ताक़तें उन्हें प्रभावित कर रही हैं या उकसा रही हैं। रिजिजू ने राहुल को सुझाव दिए कि वे भारतीय अर्थव्यवस्था को 'मृत' या ख़त्म बताने वाले झूठे दावे करना बंद करें। भाजपा के अन्य कई नेता पहले भी राहुल गांधी की विदेश में की जानी वाली इसतरह की टिप्पणी पर अपनी ऐसी ही तीखी प्रतिक्रिया देते रहे हैं।

सवाल यह है कि क्या भारतीय अर्थव्यवस्था पर मंडराते संकट की बात केवल राहुल गांधी ही कहते हैं या देश के अन्य कई प्रमुख अर्थशास्त्री भी ऐसे ही विचार रखते हैं ? सच तो यह है कि पहले भी भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर देश और दुनिया के कई प्रमुख अर्थशास्त्रियों, पूर्व नीति-निर्माताओं और राजनेताओं ने समय-समय पर गंभीर चेतावनियां दी हैं। वे भी देश में अर्थव्यवस्था को लेकर संरचनात्मक संकट, बेरोज़गारी और धीमे निजी निवेश जैसे शब्दों का प्रयोग कर चुके हैं। उदाहरणार्थ पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन भारत के जीडीपी आंकड़ों की गणना पद्धति, निजी निवेश में सुस्ती, रोज़गार सृजन की कमी और जीएसटी के बाद अनौपचारिक क्षेत्र को हुए नुक़सान पर लगातार गंभीर चिंता जताते रहे हैं । नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी ने मध्यम वर्ग की स्थिर या घटती वास्तविक आय और महंगाई के कारण बढ़ रहे आर्थिक दबाव को लेकर चेतावनी दी है। इसी तरह पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने ऊर्जा आयात पर निर्भरता, रुपये की गिरावट और विदेशी पूंजी के बाहर जाने जैसे मुद्दों को उठाते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था की संवेदनशीलता पर चिंता व्यक्त की है। पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन और कौशिक बसु जैसे अर्थशास्त्रियों ने भी अलग-अलग समय पर नोटबंदी के असर, जीडीपी की गणना में संभावित विसंगतियों, घटते निर्यात और रोज़गार संकट को लेकर सरकार की आर्थिक नीतियों की आलोचना की है। इसके अतिरिक्त भाजपा नेता व अर्थशास्त्री सुब्रमण्यम स्वामी भी अपनी ही पार्टी की सरकार की कई आर्थिक नीतियों–विशेषकर जीएसटी, नोटबंदी और बैंकिंग नीतियों की कड़ी आलोचना करते हुए अर्थव्यवस्था के सामने गंभीर संकट की चेतावनी देते रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री व अर्थशास्त्री स्व डॉ. मनमोहन सिंह व पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम बेरोज़गारी, महंगाई और मध्यम वर्ग की थमी हुई आय को देश की तीन सबसे बड़ी आर्थिक चुनौतियां बता चुके हैं। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने तो नोटबंदी और जीएसटी के क्रियान्वयन को देश की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका बताया था। इतना ही नहीं बल्कि विदेशी पोर्टफ़ोलियो निवेशकों ने जनवरी से अक्टूबर 2026 के बीच भारतीय शेयर बाज़ार से लगभग 2.95 लाख करोड़ अर्थात क़रीब 35 अरब डॉलर का रिकॉर्ड निवेश वापस निकाला है। हालांकि नवंबर 2026 में इन विदेशी निवेशकों द्वारा पुनः क़रीब 10.6 अरब की रिकॉर्ड वापसी भी की गयी है। फ़रवरी 2026 में ईरान पर हुए हमले और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक निवेशकों ने ज़ोख़िम भरे बाज़ारों से पैसा निकालना शुरू किया। इसी लिए अकेले मार्च महीने में ही रिकॉर्ड 13 अरब डॉलर की निकासी हुई। वैश्विक अस्थिरता के कारण कच्चे तेल के दाम बढ़े, जिससे भारत का आयात बिल बढ़ने और महंगाई की आशंका पैदा हुई। 10-साल के अमेरिकी सरकारी बॉन्ड पर 5.2% से अधिक का सुरक्षित रिटर्न मिलने के कारण निवेशकों ने भारतीय बाज़ार के मुक़ाबले अमेरिका में पैसा लगाना अधिक फ़ायदेमंद समझा। परन्तु सरकार का दावा है कि भारत 7% या उससे अधिक की दर से बढ़ने वाली दुनिया की सबसे तेज़ प्रमुख अर्थव्यवस्था है और पिछले 12-13 वर्षों में लगभग 50 करोड़ लोग ग़रीबी से बाहर आए हैं। दूसरी यही सरकार यह कहकर भी अपनी पीठ स्वयं थपथपाती रहती है कि वह देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त राशन उपलब्ध करा रही है।

अब रहा सवाल विदेश की धरती पर भारत की बदनामी कराने का तो इस बदनामी का मापदंड आख़िर कौन तय करेगा ? याद कीजिये मई 2015 में चीन के शंघाई और दक्षिण कोरिया के सियोल में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वह टिप्पणी जिसमें उन्होंने कहा था कि 'एक दौर ऐसा था जब लोग सोचते थे कि उन्होंने पिछले जन्म में कौन-सा पाप किया था जो भारत में पैदा हुए,यह कैसा देश है और कैसी सरकार है, और लोग बाहर चले जाना चाहते थे।' प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी पर भारत में तीखी राजनीतिक बहस हुई थी। उस समय कई विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान की आलोचना करते हुए कहा था कि विदेश में जाकर यह कहना कि भारत में जन्म लेना किसी पिछले पाप या अभिशाप जैसा माना जाता था, राष्ट्रीय गौरव को ठेस पहुँचाने वाला है। इसी तरह भाजपा और उसके समर्थक जवाहरलाल नेहरू की कई नीतियों और निर्णयों का मूल्यांकन करते हुए उनकी आलोचना करते हैं। जबकि कांग्रेस नेताओं का कहना है कि नेहरू ने आधुनिक भारत, लोकतांत्रिक संस्थाओं, सार्वजनिक उपक्रमों और शैक्षणिक संस्थानों की नींव रखी, और उनके योगदान को नज़रअंदाज़ कर उन पर लगातार हमले किए जाते हैं। विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी के ही ऐसे और भी कई बयानों व गतिविधियों को देश की बदनामी करने वाली बताता है। जैसे कि अप्रैल 2015 में कनाडा के टोरंटो में प्रवासी भारतीयों की सभा में मोदी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा था– 'जिनको गंदगी करनी थी, गंदगी करके चले गए, हम सफ़ाई करके जाएंगे' और 'हमारा मिशन 'स्किल इंडिया' है, न कि 'स्कैम इंडिया'।' उस समय कांग्रेस नेताओं ने इसे विदेशी धरती पर देश की पिछली उपलब्धियों और लोकतांत्रिक परंपरा का अपमान क़रार दिया। इसी तरह दिसंबर 2015 में मॉस्को हवाई अड्डे पर गार्ड ऑफ़ ऑनर के दौरान जब भारतीय राष्ट्रगान बज रहा था, तब मोदी अनजाने में आगे बढ़ने लगे थे तब एक रूसी अधिकारी ने उन्हें हाथ पकड़कर पीछे रोका था। विपक्ष ने इसे प्रोटोकॉल की चूक और असहज करने वाली घटना बताया था। अभी हाल ही में गत 17 नवंबर को फिलीपींस के मनीला में क्वाड शिखर सम्मेलन के ग्रुप फोटो सेशन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फर्श पर रखा एक स्पॉट मार्कर उठाकर अपनी जेब में रख लिया था। आलोचकों ने इसे लेकर सवाल उठाए। आयोजकों ने ग्रुप फोटो के दौरान नेताओं के खड़े होने की जगह तय करने के लिए फर्श पर देश के झंडे वाले छोटे मार्कर/कार्ड लगाए थे। 2015 व 2019 के ब्रिक्स सम्मेलनों में भी फर्श पर झंडे के मार्कर होने के कारण उन्हें नहीं उठाया गया था। विपक्ष के नेताओं व आलोचकों द्वारा इसे भी वैश्विक मंच पर देश की शर्मिंदगी करने वाला बताया गया। इसलिए विपक्ष पूछता है कि समय समय पर देश का अपमान करने वालों को आख़िर देश के सम्मान

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने पहली बार आयोजित की राज्य स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी



अनप्लग इंडिया

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहल करते हुए पहली बार राज्य स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर से कुल 63 टीमों ने पंजीकरण करवाया, जिनमें से 58 टीमों ने तीन-तीन विद्यार्थियों के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया।

प्रतियोगिता के प्रथम चरण में स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर आठ टीमों का चयन दूसरे चरण के लिए किया गया। दूसरे चरण में इन आठ टीमों के बीच रोचक एवं ज्ञानवर्धक विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हांसी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वैश्य गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चरखी दादरी ने द्वितीय तथा वैश्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चरखी दादरी ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता टीमों को प्रथम पुरस्कार के रूप में 11,000 रुपये, मेडल एवं प्रमाण-पत्र, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 5,100 रुपये, मेडल एवं प्रमाण-पत्र तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में 3,100 रुपए, मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. शंकर लाल धूपड़ ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। धूपड़ ने कहा कि इस प्रतियोगिता का मुख उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की मूल भावना के अनुरूप रटने की प्रवृत्ति के स्थान पर अनुभव आधारित शिक्षा, आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को महत्व देना है।

पंचायतों और नगर निकायों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आय के नए स्रोत विकसित करने पर करें मंथन : मुख्यमंत्री



हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, 'हरियाणा में पंचायतों और नगरपालिकाओं का सशक्तिकरण: स्थानीय निकायों से स्थानीय सरकार की ओर' विषय पर गुरुग्राम में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान उपस्थित जन को सम्बोधित करते हुए। (23.11.2026)

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विकसित भारत-2047 की परिकल्पना तभी साकार होगी, जब देश का हर गांव और शहर का हर वार्ड आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनेगा। पंचायतों और नगर निकायों को केवल सरकारी बजट पर निर्भर रहने के बजाय अपनी आय के नए स्रोत विकसित करने होंगे। इसके लिए स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग, वित्तीय प्रबंधन और जनभागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्थानीय सरकारों को अधिकार, क्षमता और अपने वित्तीय संसाधनों के आधार पर आत्मनिर्भर बनाना ही इस राष्ट्रीय सम्मेलन का मूल उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को गुरुग्राम के सेक्टर-51 स्थित गुरुग्राम विश्वविद्यालय में स्वर्ण जयंती हरियाणा वित्तीय प्रबंधन संस्थान (एसजेएचआईएफएम) की ओर से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ सत्र को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया।

पंचायतों एवं नगर निकायों को अधिकारों का हस्तांतरण, वित्तीय स्थिरता तथा प्रभावी सेवा वितरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आयोजित इस सम्मेलन में केंद्रीय ऊर्जा एवं आवासन तथा शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार तथा शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल, स्वर्ण जयंती हरियाणा वित्तीय प्रबंधन संस्थान (एसजेएचआईएफएम) महानिदेशक डॉ राज नेहरू भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान के 73वें और 74वें संशोधन के माध्यम से पंचायतों एवं नगर निकायों को संवैधानिक दर्जा दिया गया था, लेकिन अब इन्हें वास्तविक रूप से सशक्त स्थानीय सरकार के रूप में विकसित करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्तमान आवश्यकताओं से जोड़ने का काम किया है। गांव विकास की अंतिम कड़ी नहीं, बल्कि विकास का केंद्र है।

उन्होंने कहा कि ग्राम सभा की प्राथमिकताएं ही पंचायतों की कार्ययोजना का आधार बननी चाहिए। सरपंच और पार्षद लोकतंत्र की जमीनी ताकत हैं, क्योंकि वे सीधे जनता से जुड़े होते हैं और लोगों की समस्याओं को सबसे पहले समझते हैं।

मुख्यमंत्री ने हरियाणा में वर्ष 2014 से पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए किए गए सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2015 में पढ़ी-लिखी पंचायतों की व्यवस्था लागू की गई और वर्ष 2020 में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। इसी प्रकार लाल डोरा मुक्त अभियान के माध्यम से ग्रामीणों को उनकी संपत्तियों का मालिकाना हक दिलाया गया, जिसे बाद में केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के रूप में पूरे देश में लागू किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा में किए गए सुधारों का उद्देश्य पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाना और ग्रामीणों को उनके अधिकारों से जोड़ना रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायतों और नगर निकायों की आय बढ़ाने के लिए जल संरक्षण, पानी के बिलों की वसूली तथा स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग जैसे विषयों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। हरियाणा सरकार ने गांवों में पानी के बिल के रूप में जितनी राशि एकत्रित की जाएगी, उतनी ही मैचिंग ग्रांट देने का निर्णय लिया है, ताकि पंचायतों की आमदनी बढ़ सके। उन्होंने कहा कि गिरते भूजल स्तर और पानी की कमी को देखते हुए प्रत्येक जनप्रतिनिधि को जल संरक्षण की जिम्मेदारी निभानी होगी। स्थानीय निकायों को अपनी आय के नए स्रोत तलाशने के साथ-साथ शहरों में स्वच्छता, पेयजल, सड़क, सीवरेज और बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने पंचायतों, गांवों और वार्डों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि गांवों और वार्डों के विकास के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित कर बेहतर प्रदर्शन करने वाली पंचायतों एवं निकायों को सम्मानित किया जाना चाहिए। इससे जनप्रतिनिधियों में अपने क्षेत्र को बेहतर बनाने की भावना विकसित होगी। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि केवल पदाधिकारी नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक हैं। उन्हें जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में शामिल प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे दोनों दिन होने वाले विचार-विमर्श में सक्रिय भागीदारी निभाएं और ऐसे व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत करें, जिन्हें धरातल पर लागू कर पंचायतों एवं नगर निकायों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सके।

1977 में चौ. देवीलाल ने सता परिवर्तन करवाया था, 2029 में जेजेपी दोहराएगी इतिहास-दिग्विजय चौटाला



अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा है कि अब 1977 का राजनीतिक दौर दोहराने का समय आ गया है। उस समय जननायक चौधरी देवीलाल ने संघर्ष करके कांग्रेस के तानाशाही राज को समाप्त किया था और अब डॉ अजय सिंह चौटाला के नेतृत्व में जेजेपी भाजपा की किसान, युवा विरोधी सरकार को सत्ता से बाहर करने के लिए संघर्ष कर रही है। जनता के आशीर्वाद से जेजेपी वर्ष 2029 में 1977 का दौर दोहराकर इतिहास रचेगी। भिवानी जिले के दौरे के दौरान दिग्विजय ने उपस्थित ग्रामीणों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में 6 दिसंबर को जेजेपी की महेंद्रगढ़ रैली में पहुंचने का आह्वान किया।

दिग्विजय चौटाला ने भाजपा सरकार को युवा विरोधी करार देते हुए कहा कि युवाओं को एचटेट परीक्षा के नाम बरगलाया जाता है। पिछली एचटेट परीक्षा में 3-3 लाख रुपए में एचटेट परीक्षा पास करवाई गई। हजारों एचटेट पास भावी अध्यापक आज भी घर बैठे हैं, लेकिन भाजपा सरकार स्थाई नौकरियां नहीं दे रही। एचकेआरएन के नाम पर युवाओं को लूटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर काम करना जरूरी है क्योंकि भाजपा की जात-पात धर्म मजहब की राजनीति से जनता ऊब चुकी है। दिग्विजय ने कहा की आज खाद थानों में मिलती है और भाजपा सरकार सबसे कम फसल खरीदने पर स्वयं की पीठ थपथपा रही है। दिग्विजय चौटाला ने कांग्रेस पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि पूर्व कांग्रेस सरकार में जिस षड्यंत्र के तहत डा. अजय सिंह चौटाला को युवाओं को रोजगार देने पर जेल करवाई थी, वह सब जनता को याद है।

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एनसीबी द्वारा नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



अनप्लग इंडिया

करनाल। हरियाणा के प्रत्येक जिला में नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम चरम पर है। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा उच्चाधिकारियों के निर्देशों से सम्पूर्ण हरियाणा में साइकिल के साधन का प्रयोग करते हुए जन जन को नशे के विरुद्ध जागरूक करने में जुटे हुए हैं। इस कड़ी में आज राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय इंद्री में नशे के विरुद्ध एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें छात्र छात्राओं और शिक्षकों ने भाग लिया। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा साइकिल के साधन से विद्यालय पहुंचे और छात्राओं को विधि, आदर्श जीवन और नैतिक मूल्य के साथ साथ नशामुक्त समाज पर व्याख्यान दिया। उन्होंने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए बताया कि नारी शक्ति समाज और राष्ट्र के विकास में अद्भुत योगदान देकर एक स्वस्थ और सभ्य समाज की स्थापना करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह यातायात के नियमों का पालन करें, नशे से दूर रहें और राष्ट्र निर्माण में सहभागिता करें। उन्होंने नशे के विरुद्ध व्याख्यान देते हुए कहा कि नशा न केवल व्यक्ति को अपितु उसके परिवार और राष्ट्र को भी क्षति पहुंचाता है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा नशा मुक्त राज्य के निर्माण में कठोरता से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने प्रतिबंधित नशों पर व्याख्यान देते हुए कहा कि भारत में एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत प्रतिबंधित नशों को रखना, सेवन करना, क्रय-विक्रय करना आदि अपराध है। नशों के विरुद्ध गुप्त सुचना देने के लिए भारत में 1933 पर गुप्त सूचनाएं दी जा सकती हैं। कार्यक्रम के अंत में शपथ ग्रहण करवाई गयी।

सनियाना गांव में निकाली नशे के विरुद्ध एक विशाल जागरूकता रैली

अनप्लग इंडिया

टोहाना। साहिबजादा जोरावर सिंह साहिबजादा फतेह सिंह सेवा सोसायटी टोहाना और समस्त ग्रामवासी सनियाना के तत्वाधान में गांव सनियाना में नशे के विरुद्ध एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस जागरूकता रैली में अकाल एकेडमी सनियाना, टैगोर पब्लिक स्कूल सनियाना और दशमेश एकेडमी गुलरवाला के बच्चों और उप स्वास्थ्य केंद्र सनियाना के सदस्य कमल शर्मा, कुतुबुद्दीन व राम बाई एएनएम सहित सभी आशा वर्करों ने भाग लिया।

सरदार कुलविन्दर सिंह बल ने आए हुए बच्चों, शिक्षकों और गणमान्य सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि नशा आज हर घर की समस्या बन चुका है। सभी ग्रामवासियों को एकजुट नशे की इस मुहिम से जुड़ना चाहिए। योग प्रचारक बीर सिंह ने बताया कि नशे को त्यागकर युवाओं को योग से जुड़ना



चाहिए। भूना थाना प्रभारी कंवर सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बहुत जल्दी गांव सनियाना में अवैध दारू और नशा बेचने वालों पर नकेल कसी जाएगी। नशे के विरुद्ध विशाल जागरूकता रैली का जय बजरंग धर्मशाला से प्रारंभ किया। गांव की मुख्य गलियों से होते बच्चों ने नशे के विरुद्ध नारे लगाए। 'जन जन का है एक ही नारा, नशा मुक्त हो गांव हमारा ', 'नाश भगाओ, देश बच्चों ', 'नशा नहीं, शिक्षा चुनों' आदि स्लोगन बोलते हुए लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूकता किया। जगदीश नेहरा ने बच्चों को नशे से बचने और शिक्षा की ओर बढ़ने का मूलमंत्र दिया। अकाल एकेडमी की अनन्या ने नशे पर जोरदार भाषण देकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। विनोद कुमार कैरों ने आए हुए सभी स्कूलों और गणमान्य सदस्यों का धन्यवाद किया।

इस अवसर पर सरपंच संतोष कुमारी, हरपाल सिंह बाजवा, मौसम कैरों, विनोद कुमार नायक, राज सिंह गिल, नम्बरदार जसवंत सिंह, प्रीतपाल सिंह गिल, शर्मा चंद लाली, तेज कुमार और समस्त ग्रामवासी सनियाना उपस्थित रहे।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में 'गणित और डेटा साइंस: विश्व का भविष्य' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

अनप्लग इंडिया

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक के विज्ञान संकाय के गणित विभाग की ओर से आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आइक्यूएसी) के सहयोग से 'गणित और डेटा साइंसः विश्व का भविष्य' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय स्थित गणित विभाग में आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए गणित और डेटा साइंस की वर्तमान समय में बढ़ती उपयोगिता तथा भविष्य की संभावनाओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आधुनिक विश्व में गणित और डेटा साइंस की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना तथा उनमें तार्किक चिंतन, विश्लेषणात्मक क्षमता और प्रभावी संवाद कौशल विकसित करना था। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने बताया कि किस प्रकार गणितीय सिद्धांत और डेटा आधारित तकनीकें वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी विकास, नवाचार, बेहतर निर्णय लेने तथा दैनिक जीवन की जटिल समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। प्रतिभागियों ने पूरे



आत्मविश्वास और उत्साह के साथ अपने पक्ष में तर्क प्रस्तुत किए। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, तकनीकी अनुसंधान, डिजिटल अर्थव्यवस्था और भविष्य की चुनौतियों के संदर्भ में गणित एवं डेटा साइंस की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने विचारों को तार्किक ढंग से प्रस्तुत करने और विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने का अवसर मिला। प्रतियोगिता में प्रो. (डॉ.) मनोज वर्मा और प्रो. (डॉ.) रवि राणा ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। उन्होंने प्रतिभागियों के विषय ज्ञान, तर्क क्षमता, प्रस्तुतीकरण शैली और संप्रेषण कौशल के आधार पर मूल्यांकन किया। निर्णायकों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी ऐसी शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

विशेष सत्र में हरियाणा के 60 वर्षों के विकास के सफर व जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर होगी चर्चा : विस अध्यक्ष

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहाकि 26 नवंबर को आयोजित होने वाला विशेष सत्र हरियाणा की 60 वर्षों की गौरवमयी विकास यात्रा, विकसित हरियाणा के लक्ष्य की प्राप्ति में जनभागीदारी तथा नागरिकों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर चर्चा होगी।

इस सत्र के माध्यम से संविधान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने, लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति सम्मान और जनप्रतिनिधियों में संवैधानिक जिम्मेदारियों की भावना को सुदृढ़ करने का प्रयास रहेगा। प्रदेश के सभी विधायक दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस विशेष सत्र में प्रदेश की 60 वर्षों में हुई उन्नति पर सकारात्मक चर्चा कर सहभागिता करेंगे। यह भावी पीढ़ी को भविष्य के विकसित हरियाणा के निर्माण हेतु तैयार करने के लिए आवश्यक व अपेक्षित है।

विस अध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा विधान सभा की ओर से 2 नवंबर से संविधान पखवाड़ा मनाया



जा रहा है। इसके तहत पंचकूला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में आयोजित जनप्रतिनिधि सम्मेलन में सभी दलों के पूर्व व वर्तमान विधायकों और निर्दलीय जनप्रतिनिधियों की बढ़चढ़ कर सहभागिता सराहनीय रही।

सम्मेलन में विभिन्न वक्ताओं द्वारा साझा किए गए विचार, अनुभव और सुझाव अत्यंत महत्वपूर्ण थे। इसलिए इस कड़ी में इस विशेष सत्र का विशेष महत्व है। इसके माध्यम से जनता में जनप्रतिनिधियों की अच्छी सोच व जनसेवा का भाव पहुंचाना उद्देश्य है। इस सत्र के माध्यम से यह संदेश जनता में पहुंचाना है कि संसदीय संस्थाएं नागरिकों के हित साधने के लिए कार्य करती हैं। ये विचार संविधान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करने के लिए बीज मंत्र के समान हैं।

विस अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि प्रदेश के सभी विधायक 26 नवंबर को संविधान पर आयोजित विशेष सत्र में भी इसी भावना, निष्ठा और उत्साह के साथ भाग लेंगे और हमारा प्रयास रहेगा कि जनता में जनप्रतिनिधियों के प्रति निष्ठा विश्वास व आदर और अधिक होगा। इससे जनता को विश्वास पहुंचेगा कि जनप्रतिनिधि लोक हित में प्रदेश की उन्नति में कितना योगदान कर सकते हैं।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि विशेष सत्र में संवैधानिक मूल्यों एवं सिद्धांतों, संसदीय कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक परंपराओं तथा जनप्रतिनिधियों की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक व्यापक विचार-विमर्श किया जा सकता है। ऐसे आयोजन जनप्रतिनिधियों के अनुभव, ज्ञान और विचारों को साझा करने का अवसर प्रदान करते हैं, जिससे नई पीढ़ी को सार्वजनिक जीवन और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति प्रेरणा एवं दिशा मिलती है।

उन्होंने कहा कि संविधान पखवाड़े के अंतर्गत दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों का उद्देश्य वर्तमान और भावी पीढ़ी को वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों के संघर्ष, अनुभव, संसदीय परंपराओं तथा सार्वजनिक जीवन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से परिचित कराना है। जनप्रतिनिधियों के अनुभवों से सीख लेकर लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना और संविधान के प्रति नागरिकों में सम्मान एवं जागरूकता बढ़ाना ही इन आयोजनों की मूल भावना है।

भावांतर भरपाई योजना के तहत रबी फसलों का पंजीकरण और भौतिक सत्यापन जरूरी



अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा लागू की गई 'भावान्तर भरपाई योजना' का लाभ लेने के लिए पोर्टल पर पहले फ़सल का पंजीकरण करवाना और उसके बाद उसका भौतिक सत्यापन करवाना आवश्यक है। उद्यान विभाग के प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार ने भावांतर भरपाई योजना को लेकर किसानों के लिए जरूरी सूचना जारी की है। इस सूचना के अनुसार, 'मेरी फसल, मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर बिजाई के समय के अनुसार आलू, फूलगोभी, गाजर, मटर और किन्नू जैसी रबी फसलों का पंजीकरण जारी है। उन्होंने बताया कि भावांतर भरपाई योजना का लाभ लेने वाले किसानों के लिए पोर्टल पर पंजीकरण करवाने के बाद फसलों के क्षेत्र का भौतिक सत्यापन करवाना आवश्यक है। इसके लिए किसानों को निर्धारित प्रोफार्मा भरकर बागवानी विभाग के ब्लॉक अथवा जिला कार्यालय में जमा करवाना होगा। भौतिक सत्यापन के आवेदन का प्रारूप बागवानी विभाग की वेबसाइट hortharyana.gov.in के साथ-साथ विभाग के ब्लॉक और जिला कार्यालयों में भी उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि अधिक या विस्तृत जानकारी के लिए किसान अपने जिले के जिला उद्यान अधिकारी, उद्यान विकास अधिकारी, जिला विपणन प्रवर्तन अधिकारी या मार्केटिंग बोर्ड से संपर्क कर सकते हैं।

हरियाणा में गली निर्माण, सरकारी धन और फसल बीमा से जुड़े घोटालों की निष्पक्ष जांच हो : सैलजा

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य, पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में विभिन्न सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों में सामने आ रहे कथित भ्रष्टाचार एवं वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

सांसद ने कहा कि प्रदेश में कहीं गली निर्माण में गड़बड़ियों के आरोप लग रहे हैं, कहीं सरकारी धन के दुरुपयोग की शिकायतें सामने आ रही हैं तो कहीं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। इन सभी मामलों की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच होनी चाहिए।

कुमारी सैलजा ने कहा कि पिछले लंबे समय से विपक्ष द्वारा प्रदेश में अनेक कथित घोटालों और वित्तीय अनियमितताओं को उजागर किया जाता रहा है, लेकिन सरकार की ओर से प्रभावी कार्रवाई न होने के कारण भ्रष्टाचार के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं।



सांसद ने आरोप लगाया कि सरकार की गोलमाल नीतियों, प्रशासनिक लापरवाही और जवाबदेही के अभाव ने व्यवस्था की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकार को केवल राजनीतिक बयानबाजी करने के बजाय तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर जनता के सामने स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

सांसद ने कहा कि सार्वजनिक धन जनता की मेहनत की कमाई है और उसकी एक-एक पाई का हिसाब देना सरकार की जिम्मेदारी है। विकास कार्यों में घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल, फर्जी भुगतान, अधूरे कार्यों के बिल बनाने तथा योजनाओं के लाभार्थियों से संबंधित शिकायतों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। केवल आरोप लगने से किसी को दोषी नहीं माना जा सकता, लेकिन गंभीर शिकायतों को नजरअंदाज करना भी उचित नहीं है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए बनाई गई है। यदि किसानों के खातों से प्रीमियम कटने, बीमा रिकॉर्ड में गड़बड़ी, फसल नुकसान के गलत आकलन अथवा मुआवजे के भुगतान में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आती हैं तो उनका समयबद्ध समाधान होना चाहिए। किसानों को अपने अधिकारों के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ें, यह स्वीकार्य नहीं है।

सांसद ने मांग की कि प्रदेश सरकार विभिन्न विभागों के खर्च, स्वीकृत विकास परियोजनाओं, जारी भुगतान और लंबित जांचों का पूरा विवरण सार्वजनिक करे। जिन मामलों में प्रथम दृष्टया वित्तीय गड़बड़ी के प्रमाण मिलें, उनकी स्वतंत्र एजेंसी से जांच करवाई जाए। जांच में दोष सिद्ध होने पर संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों, ठेकेदारों अथवा अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाए।

कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी जनता के हितों की रक्षा करना है। विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों को राजनीतिक विरोध बताकर खारिज करने के बजाय सरकार को उनका तथ्यात्मक जवाब देना चाहिए। शिकायतकर्ताओं को भी अपने प्रमाण प्रस्तुत करने का पूरा अवसर मिलना चाहिए।

कुमारी सैलजा ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यदि सरकार वास्तव में भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने का दावा करती है तो उसे निष्पक्ष जांच, पारदर्शी कार्रवाई और जवाबदेही सुनिश्चित करके दिखानी चाहिए। जनता का विश्वास केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई से जीता जा सकता है।

संक्षिप्त डायरी

दावत में ले जाए गए वृद्ध की संदिग्ध हालात में मौत, पत्नी ने जताई हत्या की आशंका

अनप्लग इंडिया

कन्नौज। गांव का युवक भतीजे के साथ रात में वृद्ध को घर से ले गया था। शरीर पर चोटों के निशान मिलने की बात सामने आई है। दावत में चलने के लिए घर से ले जाए गए वृद्ध की कुछ घंटे बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। देर रात गांव का युवक अपने भतीजे के साथ उन्हें गंभीर हालत में ई-रिक्शा से घर लेकर पहुंचा। पति की हालत देखकर पत्नी उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पत्नी ने गांव के युवक और उसके भतीजे पर पति के साथ मारपीट कर हत्या किए जाने की आशंका जताई है। उसके अनुसार, मृतक के बाएं हाथ में गंभीर चोट थी और शरीर पर भी कई जगह चोटों के निशान थे। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सौरिख क्षेत्र के मझगवां निवासी बृजेन्द्र सिंह उर्फ पप्पू (57) पुत्र लंकुश सिंह रविवार रात करीब आठ बजे खाना खाने के बाद घर पर लेटे थे। इसी दौरान गांव का रनदीप (46) अपने 18 वर्षीय भतीजे अजय सिंह के साथ ई-रिक्शा लेकर उनके घर पहुंचा। दोनों ने तालग्राम थाना क्षेत्र के नगला मान में दावत में चलने को कहा। बृजेन्द्र ने निमंत्रण न होने की बात कहकर जाने से मना कर दिया। आरोप है कि इसके बाद रनदीप उन्हें ई-रिक्शा से अपने साथ ले गया। करीब तीन घंटे बाद रात 11 बजे रनदीप अपने भतीजे के साथ बृजेन्द्र को गंभीर हालत में लेकर घर पहुंचा। उसने पत्नी सुमन से पति के नशे में होने की बात कहकर उन्हें ई-रिक्शा से उतारने को कहा। पति की हालत गंभीर देखकर सुमन बेटे अनुज के साथ उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सुमन ने पति की मौत को लेकर गांव के युवक और उसके भतीजे पर संदेह जताया है। उसका कहना है कि पति के बाएं हाथ की हड्डी टूटी हुई थी और शरीर के कई हिस्सों पर चोटों के निशान थे। इन्हीं परिस्थितियों के आधार पर उसने मारपीट कर हत्या किए जाने की आशंका जताई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रनदीप को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी नागेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि अभी तहरीर नहीं मिली है। मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की हुई मौत

अनप्लग इंडिया

आजमगढ। बेटी की शादी की तैयारियों में जुटे परिवार पर उस समय दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, जब शादी से एक दिन पहले सड़क हादसे में घायल पिता सीताराम (58) की जिला अस्पताल में मौत हो गई। परिवार ने पोस्टमार्टम से पहले रविवार को गमगीन माहौल में बेटी की शादी की रस्म पूरी कराई। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के सराय पल्टू निवासी सीताराम शुक्रवार को ठेकमा स्थित यूनियन बैंक से रुपये निकालकर साइकिल से सड़क पर आए थे। इसी दौरान पीछे खड़ी पिकअप और सामने से आ रहे चार पहिया वाहन के बीच उनकी साइकिल फंस गई। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर जुटे लोगों ने उन्हें वाहन के नीचे से बाहर निकाला। उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ठेकमा पहुंचाया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। सीताराम के दो लड़के और तीन लड़कियां हैं। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान सीताराम की मौत हो गई। उनकी बेटी की शादी आज रविवार को होनी थी। परिवार ने पोस्टमार्टम से पहले ही शादी की रस्म पूरी करने का फैसला किया। यह शादी पूरे परिवार के लिए गमगीन माहौल में संपन्न हुई। बरदह थाना प्रभारी चंद्रदीप कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षकों के अनुभव प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर नहीं करने पर प्रधानाचार्य निलंबित

अनप्लग इंडिया

आजमगढ। एसकेपी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य बृजेश कुमार सिंह को शिक्षकों के अनुभव प्रमाणपत्रों पर हस्ताक्षर नहीं करना भारी पड़ गया। जिला विद्यालय निरीक्षक की संस्तुति के बाद कॉलेज के प्राधिकृत नियंत्रक मनोज कुमार ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। प्रधानाचार्य पर उच्चाधिकारियों के निदेर्शों की अवहेलना, पद के दायित्वों के निर्वहन में उदासीनता और प्रशासनिक अनुशासनहीनता का आरोप लगाया गया है। निलंबन के साथ ही उनके खिलाफ विभागीय जांच की कार्रवाई भी शुरू की जाएगी। कॉलेज के प्रवक्ता आलोक कुमार सिंह, सुभाष चंद्र यादव, रईस अहमद और जितेंद्र बहादुर सिंह ने 19 नवंबर को शिकायत की थी कि उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज की ओर से विज्ञापित प्रधानाचार्य पद पर आवेदन करने के लिए उन्हें अनुभव प्रमाणपत्र की आवश्यकता थी। आरोप है कि प्रधानाचार्य बृजेश कुमार सिंह ने विभिन्न कारणों का हवाला देते हुए उनके अनुभव प्रमाणपत्रों पर हस्ताक्षर नहीं किए। इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक स्तर से भी प्रधानाचार्य को प्रमाणपत्रों पर हस्ताक्षर करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद आदेश का अनुपालन नहीं किया गया। निलंबन आदेश में कहा गया है कि प्रधानाचार्य का यह कृत्य प्रथम दृष्टया उनके पद के दायित्वों के प्रति उदासीनता और उच्चाधिकारियों के निदेर्शों की अवहेलना को दशार्ता है। इससे संबंधित शिक्षकों के सेवा हितों और उनके अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की स्थिति उत्पन्न हुई। प्राधिकृत नियंत्रक मनोज कुमार ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा अधिनियम 1921 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रधानाचार्य को निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि आरोपपत्र अलग से जारी कर जांच की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

देव दीपावली कल, बन रहे योगों के दुर्लभ संयोग, नए कार्यों की शुरुआत, पूजा और साधना के लिए उत्तम समय

अनप्लग इंडिया

कानपुर। कार्तिक पूर्णिमा पर देव दीपावली मंगलवार को मनाई जाएगी। इस दिन वर्धि योग, शिव योग, सर्वार्थ सिद्धि योग तथा कृतिका व रोहिणी नक्षत्र जैसे विशेष योगों का संयोग बन रहा है। पूर्णिमा तिथि सोमवार रात 11:42 बजे शुरू होकर मंगलवार की रात 8:23 बजे समाप्त होगी। ये योग नए कार्यों की शुरूआत, पूजा और साधना के लिए उत्तम माने जाते हैं। गंगा स्नान, दान और शाम को दीपदान का विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यता है कि इस पावन अवसर पर देवता स्वर्ग से उतरकर गंगा किनारे दीपोत्सव मनाते हैं। इसी कारण इस पर्व को देवताओं की दीपावली (देव दीपावली) कहा जाता है। ज्योतिषाचार्य डॉ. प्रीति अग्निहोत्री और आचार्य पवन तिवारी ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन स्नान करने के पश्चात अपनी सामर्थ्य के अनुसार गेहूं, चावल, दाल, गुड़ और तिल का दान करने से घर में कभी धन-धान्य की कमी नहीं होती। माता लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रहती है। स्वच्छ वस्त्र देने से कुंडली में शनि और राहु के अशुभ प्रभाव शांत होते हैं। ज्योतिष सिद्धांतों के लिहाज से शुद्ध घी या तिल के तेल का दान करने से इंसान को आरोग्य की प्राप्ति होती है। दूध, दही, शहद, सिंघाड़ा, आंवला और केले का दान करने से कुंडली का चंद्रमा और बृहस्पति ग्रह मजबूत होता है। इससे जीवन में सुख और समृद्धि आती है। - सर्वार्थ सिद्धि योग यह योग 24 नवंबर को सुबह 6:51 बजे से रात 11:25 बजे तक रहेगा। व्रत, स्नान, दान और नए कार्यों की शुरूआत के लिए शुभ है। - वर्धि योग और शिव योग प्रातः काल से शाम 4:06 बजे तक वर्धि योग रहेगा, उसके बाद शिव योग शुरू होगा। शिव योग जप, तप, पूजा और साधना के लिए उत्तम होता है। - नक्षत्र संयोगः दिन में कृतिका नक्षत्र रहेगा और रात 11:25 बजे के बाद रोहिणी नक्षत्र का प्रभाव रहेगा।

अयोध्या से जनकपुर धाम के बीच सरयू-कमला एक्सप्रेस शुरू, पीएम मोदी और शाह ने दिखाई हरी झंडी

अनप्लग इंडिया



अयोध्या। अयोध्या धाम से नेपाल के जनकपुर धाम के बीच चलने वाली सरयू-कमला एक्सप्रेस का शुभारंभ हुआ। पीएम नरेंद्र मोदी और नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह ने वर्चुअल हरी झंडी दिखाई। जबकि, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या धाम पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल हुए। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या और माता सीता की जन्मस्थली जनकपुर धाम के बीच अब सीधा रेल संपर्क स्थापित हो गया है। भारत और नेपाल के बीच धार्मिक, सांस्कृतिक और मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई मजबूती देने वाली सरयू-कमला एक्सप्रेस का सोमवार को शुभारंभ हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पहुंचे। इससे पहले उन्होंने रामलला के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या धाम और नेपाल के जनकपुर धाम के बीच सरयू-कमला एक्सप्रेस का शुभारंभ भारत और नेपाल के हजारों साल पुराने सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक रिश्तों को नई मजबूती देगा। इससे दोनों देशों के श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा मिलेगी और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। सीएम ने इस ऐतिहासिक पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन करते हुए कहा कि अयोध्या और मिथिला की दो संस्कृतियों का पौराणिक मिलन फिर से जीवंत हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल का रिश्ता आस्था, आत्मीयता और साझा विरासत का है। इसे रोटी-बेटी का संबंध कहा जाता है। अयोध्या के लोग आज भी जनकपुर को अपना ससुराल मानते हैं और मिथिला के लोग भगवान श्रीराम को पाहुन के रूप में सम्मान देते हैं। विवाह पंचमी पर जनकपुर में होने वाला राम-जानकी विवाह उत्सव इस रिश्ते की जीवंत मिसाल है। सीएम ने कहा कि सरयू-कमला एक्सप्रेस से उत्तर प्रदेश, बिहार और नेपाल के बीच धार्मिक पर्यटन, व्यापार, होटल व्यवसाय और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। ट्रेन के रास्ते में पड़ने वाले 10 महत्वपूर्ण मध्यवर्ती स्टेशनों पर ठहराव से सीमावर्ती क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत-नेपाल संबंधों को सड़क, राजमार्ग और रेल संपर्क के माध्यम से नई दिशा मिल रही है। अयोध्या से सीतामढ़ी होते हुए जनकपुर तक श्रीराम-जानकी मार्ग भी आकार ले रहा है। उन्होंने भारत-नेपाल के नागरिकों को बधाई देते हुए नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह और केंद्रीय रेल मंत्री का भी आभार जताया। राम की नगरी से जनकपुर धाम तक सीधा सफर सरयू-कमला एक्सप्रेस के संचालन से अयोध्या और नेपाल के जनकपुर धाम के बीच सीधी रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। करीब 604 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली यह ट्रेन दोनों देशों के श्रद्धालुओं के लिए यात्रा को आसान बनाएगी। इस रेल सेवा से यात्रियों को बीच में ट्रेन बदलने की जरूरत नहीं होगी। रामायण सर्किट को मिलेगी नई कनेक्टिविटी अयोध्या और जनकपुर धाम का संबंध धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। अयोध्या भगवान श्रीराम की जन्मभूमि है, जबकि नेपाल का जनकपुर धाम माता जानकी की जन्मस्थली के रूप में प्रसिद्ध है। ऐसे में दोनों धार्मिक स्थलों को सीधी रेल सेवा से जोड़ना रामायण सर्किट के पर्यटन को भी बढ़ावा दे सकता है। इस पहल से भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंधों को नई गति मिलने की उम्मीद है। श्रद्धालुओं के साथ दोनों देशों के यात्रियों को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी। 28 नवंबर से आम यात्रियों के लिए उपलब्ध होगी ट्रेन सरयू-कमला एक्सप्रेस का औपचारिक शुभारंभ आज यानी 23 नवंबर को हुआ। वहीं, 28 नवंबर से आम यात्रियों के लिए इस रेल सेवा का संचालन शुरू होने की जानकारी है। यह साप्ताहिक ट्रेन होगी और अयोध्या से जनकपुर धाम तक का सफर लगभग 19 घंटे में पूरा करेगी। इस रेल सेवा को भारत और नेपाल के बीच संपर्क, धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

कोर्ट रूम में हंगामा करने वाले अज्ञात लोगों पर एफआईआर, रजिस्ट्रार ने कैंट थाने में लिखाई रिपोर्ट

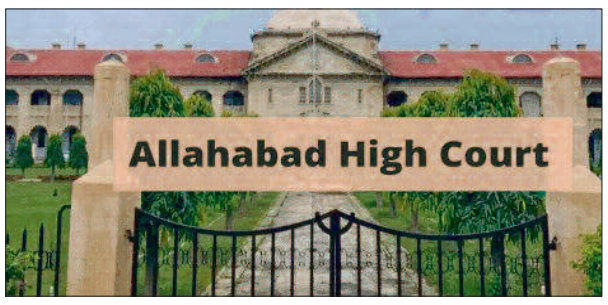

अनप्लग इंडिया

प्रयागराज। हाईकोर्ट इलाहाबाद के कोर्ट रूम में हंगामा करने और न्यायाधीशों के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करने के मामले में कैंट थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। यह एफआईआईर हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार इंद्रकांत शुक्ल की तहरीर पर दर्ज की गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक न्यायमूर्ति के कोर्ट रूम में 28 अक्तूबर को हुई घटना के मामले में कैंट थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह प्राथमिकी इलाहाबाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार इंद्रकांत शुक्ला की तहरीर पर दर्ज की गई है। आरोप है कि कुछ लोगों ने न्यायालय में हंगामा किया और न्यायाधीशों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। इसके बाद कोर्ट की कार्यवाही समाप्त होने पर राज्य सरकार के सरकारी अधिवक्ताओं, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के साथ अभद्रता की गई। न्यायालय के फर्नीचर को भी इधर-उधर किया गया और सरकारी कामकाज में बाधा पहुंचाई गई। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 29 अक्तूबर को घटना पर कड़ा रुख अपनाते हुए आपराधिक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार ने 19 नवंबर को पुलिस कमिश्नर को पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की थी। रजिस्ट्रार की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बीसलपुर सड़क पर ओवरटेक करते समय सामने से आई अर्टिगा से भिड़ी बस

अनप्लग इंडिया



बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में रविवार देर रात हुए एक भीषण सड़क हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। जिले के बीसलपुर मुख्य मार्ग पर अहरौला गांव के पास देर रात करीब 12 बजे एक तेज रफ्तार निजी बस ने ओवरटेक करने के प्रयास में सामने से आ रही अर्टिगा कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अर्टिगा कार अनियंत्रित होकर अपने पीछे आ रही दूसरी कार से भी जा भिड़ी। इस दर्दनाक हादसे में अर्टिगा में सवार नेपाल के बाजुरा जिले के रहने वाले दो नागरिकों–अर्जुन कामी (36) और चेतराज (35)–की मौत हो गई, जबकि अर्टिगा चालक दिल बहादुर राणा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में अन्य कई लोग भी घायल हुए हैं, जिनका बरेली के विभिन्न अस्पतालों में उपचार जारी है। देर रात ओवरटेक के चक्कर में हुआ हादसा प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 12 बजे बीसलपुर मुख्य मार्ग पर वाहनों की आवाजाही अपेक्षाकृत कम थी, लेकिन इसी बीच एक तेज रफ्तार निजी बस आगे निकलने की होड़ में गलत या असुरक्षित तरीके से ओवरटेक करने लगी। उसी दौरान सामने की ओर से आ रही अर्टिगा कार बस की चपेट में आ गई। निजी बस की सीधी टक्कर से अर्टिगा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और संतुलन खोकर पीछे चल रही एक अन्य कार से टकरा गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। देर रात हुए इस भीषण हादसे के कारण कुछ समय के लिए बीसलपुर मुख्य मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया और जाम की स्थिति बन गई। आसपास के लोगों और राहगीरों ने तुरंत मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी और लों को बाहर निकालने में मदद करने की कोशिश की। रास्ते में तोड़ा दम, अस्पताल में हुई मौत की पुष्टि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने सभी घायलों को तत्काल एंबुलेंस की मदद से बरेली के अस्पताल भिजवाया। बताया जा रहा है कि गंभीर रूप से घायल अर्टिगा सवार अर्जुन कामी (36) और चेतराज (35) ने अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में ही दम तोड़ दिया। जब घायलों को अस्पताल लाया गया, तो डॉक्टरों ने जांच के बाद अर्जुन कामी और चेतराज को मृत घोषित कर दिया। वहीं, अर्टिगा चालक दिल बहादुर राणा की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है और उनका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार, अर्टिगा कार में सवार कुछ अन्य लोगों को भी चोटें आई हैं। इसके अलावा, अर्टिगा के पीछे चल रही जिस दूसरी कार से उसकी भिड़ंत हुई, उसमें सवार दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए, जांच में जुटी पुलिस घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी कीं। पुलिस ने दोनों मृतकों–अर्जुन कामी और चेतराज–के शवों का पंचनामा भरकर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतकों के परिजनों को घटना की सूचना देने और आगे की प्रक्रिया के लिए पुलिस स्तर से समन्वय किया जा रहा है। हादसे के बाद कुछ देर तक मार्ग पर अफरा-तफरी और जाम का माहौल रहा, जिसे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहनों को हटवाते हुए सामान्य कराया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटना के कारणों की गहराई से जांच की जा रही है।

ट्रक से टकराई डीसीएम, चालक की मौत, एक-एक कर दो वाहन और भिड़े

अनप्लग इंडिया



कन्नौज। कन्नौज जिले में हुए सड़क हादसे में डीसीएम चालक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे का मंजर देख हर कोई सहम गया। लखनऊ की तरह जा रही डीसीएम ट्रक के पीछे जा टकराए। हादसे में चालक की मौत हो गई। जबकि दो वाहन और टकरा गए। छह लोग वाल वाल बच गए। जिला मैनपुरी के थाना बरनाल अंतर्गत सोथरा निवासी अवधेश चंद्र (28) डीसीएम पर सरसों तेल लोग कर लखनऊ की तरह जा रहा था। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मुंडाला गांव के पास सोमवार सुबह साढ़े चार बजे के करीब पहुंचते ही झपकी आने के कारण आगे जा ट्रक से डीसीएम टकरा गई। चालक केबिन में फंस गया तभी पीछे से आ रहा ट्रक भी डीसीएम से जा टकराया। चालक ट्रक छोड़ मौके से भाग गया। इस दौरान गाजियाबाद के साहिबाबाद अंतर्गत लाजपत नगर निवासी राजेंद्र कुमार अग्रवाल पुत्र चंद्र प्रकाश अग्रवाल की कार भी ओवर टेक के प्रयास में ट्रक के साइड में टकरा गई। कार में थाना मंसूरी के गंगापुरम निवासी विकास चौरसिया, राधा चौरसिया, ललित कुमार, राहुल भी थे। सूचना पर यूपीडा सहायक सुरक्षा अधिकारी राजेंद्र प्रसाद कनौजिया, थाना प्रभारी निरीक्षक रंजना पांडेय, फायर सर्विस तालग्राम रामनिवास एवं सर्वेश सिंह मौके पर पहुंचे। फंसे हुए चालक अवधेश को काफी प्रयास के बाद निकला गया। गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज एंबुलेंस से भेजा गया। जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद थाने खड़ा करा दिया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि डीसीएम मालिक और मृतक चालक के परिजनों को हादसे की जानकारी देती गई है।

जिगनी मोरम खण्ड-3 मे गिरोह बंद बदमाशों ने अवैध असलहों से फायरिंग कर ट्रक ड्राइवरों से 25 से 30 हजार की लूटपाट की

हमीरपुर (अनप्लग इंडिया **।)** जिगनी मोरम खण्ड -3,सूत्रा कंस्ट्रक्शन एण्ड सप्लायर में बीती रात उस वख्त हड़कंप मच गया जब दबंग गिरोह बंद जिगनी निवासी विपिन बिहारी सिंह परिहार पुत्र राम सिंह, विवेक पुत्र इन्दल, आदित्य प्रताप सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह,रजत पुत्र वंश गोपाल, आशाराम पुत्र अज्ञात सहित तीन से चार लोग अपने हाथों में अवैध असलहे लेकर खण्ड में आये और ड्राइवरों से रंगदारी की मांग करने लगे,जब ड्राइवरों ने उनकी रंगदारी का विरोध किया तो,सभी दबंगों ने अवैध असलहे के दमपर ट्रक ड्राइवरों से लूटपाट करना शुरू कर दिया। लूटपाट के दौरान करीब तीन ट्रकों से 25 से 30 हजार की लूटपाट की गई। सीओ सरीला को दी गई तहरीर में लूटपाट के बीच ड्राइवरों के शोर-शराबे की आवाज सुनकर जब प्राथीगण मौके पर पहुंचे तो, सभी



दबंगों ने प्रार्थीगणों के ऊपर जान से मारने के इरादे से अवैध असलहों से फायरिंग शुरू करदी, जिसके बाद प्राथी गणों ने वहां भागकर किसी तरह अपनी जान बचाई। जिगनी निवासी मोरम खण्ड-3 के प्रार्थीगण विकास सेंगर उर्फ विक्की, अनिल राजपूत, राकेश सेंगर,रोमित सिंह उर्फ धीरु, इन्द्र जीत सिंह उर्फ मोलू, अंकित यादव सहित छै लोगों ने सरीला पुलिस को तहरीर देकर घटना में शामिल सभी लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर सख्त कार्यवाही की मांग की है। बताया गया है कि घटना में शामिल सभी गिरोहबंद व्यक्ति अपराधिक मानसिकता के है, ये कभी भी किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं, जबकि विपिन बिहारी के ऊपर पहले से ही कई मामले दर्ज हैं। जबकि चिकासी पुलिस का कहना है कि जांच में फायरिंग की पुष्टि नहीं हो सकी है।

अमेठी में प्रार्थना सभा की आड़ में धर्म परिवर्तन का प्रयास, रिपोर्ट दर्ज, कई राज्यों से पहुंचे थे लोग

अनप्लग इंडिया



अमेठी। कमरौली के सिंदुरवा गांव में अनुसूचित जाति के लोगों को लालच देकर धर्म परिवर्तन करवाने का मामला सामने आया है। इसके लिए आयोजित प्रार्थना सभा में दो दर्जन लोग मौजूद थे। अमेठी के जगदीशपुर के कमरौली के सिंदुरवा गांव में एक मकान में रविवार दोपहर आयोजित प्रार्थना सभा के दौरान कथित धर्म परिवर्तन कराने के प्रयास का मामला सामने आया है। सभा में बच्चों, महिलाओं और पुरुषों समेत दो दर्जन से अधिक लोग मौजूद थे। जानकारी होने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और हिंदूवादी संगठनों के पदाधिकारी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सीओ तिलोई दिनेश मिश्रा कई थानों की पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता महंत गुरुबक्श दास के मुताबिक सिंदुरवा रोड निवासी राजकुमार और उनकी पत्नी सूर्यकला के घर प्रार्थना सभा आयोजित की गई थी। इसमें महाराष्ट्र, मुंबई, उत्तराखंड और ओडिशा समेत कई राज्यों से लोग पहुंचे थे। आरोप है कि सभा में गांव के अनुसूचित जाति के परिवारों को प्रलोभन देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा था। वहां बाइबिल और ईसाई धर्म के प्रचार से संबंधित सामग्री भी रखी थी। इसकी जानकारी होने पर उन्होंने विरोध जताते हुए पुलिस से शिकायत की। आरएसएस की जगदीशपुर इकाई के पदाधिकारी पवन तिवारी ने भी गरीब और जरूरतमंद परिवारों को प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास किए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने मांस और मदिरा के भोज का भी आरोप लगाया। वहीं, मुंबई से आए रॉयल रॉड्रिक्स ने धर्म परिवर्तन के आरोपों को खारिज किया। उनका कहना था कि वे केवल प्रार्थना करने और सूर्यकला से मिलने आए थे। मकान मालिक सूर्यकला ने भी आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि हर धर्म में परमेश्वर हैं। पहले भी सामने आ चुके हैं धर्म परिवर्तन के मामले अमेठी में प्रार्थना सभा के माध्यम से कथित धर्म परिवर्तन के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। 19 अक्तूबर 2024 को बाजार शुकुल के पूरे जगई पांडे गांव में प्रार्थना सभा की शिकायत पर पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। 10 दिसंबर 2024 को रामगंज के अग्रेसर गांव में रुपये और सुविधाओं का प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। नौ मार्च 2025 को जगदीशपुर के पालपुर में आयोजित प्रार्थना सभा के मामले में पति-पत्नी समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इन मामलों में पुलिस ने धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की थी। हर पहलू की हो रही जांच पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। मामले में रिपोर्ट दर्ज कर हर पहलू की जांच की जा रही है। कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।



314 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत 265 पर सिमटा

तिलक का शतक बेकार, पाकिस्तान से हारी इंडिया-ए

मध्यक्रम का साथ नहीं मिलने से टीम को 48 रन से मिली हार

नई दिल्ली। रविवार को एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में पाकिस्तान ए से 48 रन से हार के बाद भारतीय टीम के कप्तान तिलक वर्मा ने मध्य क्रम में साझेदारियों की कमी पर अफसोस जताया। 314 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, भारतीय टीम 129 रन पर छह विकेट खोकर मुश्किल में थी, लेकिन तिलक और शाहबाज अहमद ने सातवें विकेट के लिए 112 रनों की साझेदारी की। शाहबाज ने 41 गेंदों पर 56 रन बनाए, जबकि तिलक 149 गेंदों पर 100 रन बनाकर नाबाद रहे। हालांकि, उनका प्रयास काफी नहीं था और भारत 265 रनों पर ऑल आउट हो गया। तिलक का माननाथा कि शाहबाज का आउट होना गलत समय पर हुआ, ठीक उसी समय जब दोनों बल्लेबाज स्कोर बढ़ाने की कोशिश कर रहे थे। उनका मानना था कि ऑलराउंडर द्वारा फेंके गए कुछ और ओवरों से मैच का रुख बदल सकता था। 'अभिषेक ने जिस तरह से शुरुआत की और बीच में शाहबाज ने जिस तरह से मेरे साथ साझेदारी की, वह निर्णायक साबित हुई। दुर्भाग्य से, जब हम तेजी से रन बनाना चाहते थे, तब शाहबाज आउट हो गए। वरना, अगर वह दो ओवर और टिक जाते, तो मैं मैच खत्म कर सकता था,' तिलक ने मैच के बाद कहा। उन्होंने कहा, 'दूसरे ओवर के पहले 10 ओवरों में थोड़ी स्विंग देखने को मिली। उन दोनों तेज गेंदबाजों को श्रेय जाता है जिन्होंने बेहतरीन लाइन और लेंथ से गेंदबाजी की। लेकिन साथ ही, बीच में हमने लगातार दो विकेट गंवा दिए। नहीं तो हम 47वें या 48वें ओवर में ही मैच जीत सकते थे।

भारत ए बनाम पाकिस्तान ए, राइजिंग स्टार्स एशिया कप के मुख्य अंश

अभिषेक शर्मा ने 42 गेंदों में 70 रन बनाकर भारत को शानदार शुरुआत दी, लेकिन उनके आउट होने के बाद मध्य क्रम के बल्लेबाजों पर काफी दबाव आ गया। भारतीय बल्लेबाज रन रेट बनाए रखने के लिए संघर्ष करते रहे, और पाकिस्तान के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लिए। तिलक ने पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों के अनुशासित प्रयास की भी सराहना की, लेकिन उन्हें लगा कि भारत ने लगातार विकेट खोकर मैच को हाथ से जाने दिया।

'शतक बनाने के बावजूद, तिलक इसे अपने सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी प्रदर्शनों में से एक मानने को उत्सुक नहीं थे। भारतीय टीम के कप्तान के लिए, व्यक्तिगत प्रयास से कहीं अधिक परिणाम मायने रखता था। 'मैं ऐसा नहीं कहूंगा। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण है मैच जीतना। अगर मैं मैच नहीं जीतता, तो यह मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण नहीं है। लेकिन मैं हमेशा जितना हो सके उतना आगे तक जाना चाहता हूं। आज मैं उसी की तलाश में था। अगर कोई और बल्लेबाज मेरा साथ दे पाता, तो मैं मैच खत्म कर सकता था,' उन्होंने कहा। तिलक ने टीम की कप्तानी करने के साथ आने वाली जिम्मेदारी के बारे में भी बात की और कहा कि उन्हें टीम को कठिन परिस्थितियों से बाहर निकालने में मजा आता है। 'अगर आप टीम के कप्तान हैं, तो आपको वह जिम्मेदारी और भार उठाना ही चाहिए। तो हां, मुझे ईमानदारी से यह करना अच्छा लगता है। आखिरकार, भगवान दयालु हैं और उन्होंने ही मुझे ये रन दिए हैं,' उन्होंने आगे कहा।

हसन नवाज़ का सर्वोच्च स्कोर

इससे पहले, हसन नवाज़ ने पाकिस्तान ए के लिए 79 रन बनाकर सर्वोच्च स्कोर किया, जबकि माज़ सदाकत (59) और फरहान यूसुफ (56) ने महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाकर अपनी टीम को 313 रन पर ऑल आउट होने तक पहुंचाया। इसके बाद पाकिस्तान के गेंदबाजों ने मैच का समापन करते हुए तिलक के शतक के बावजूद भारत ए को 48 रन से हरा दिया।

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद, सेंसेक्स 1,484 अंक लुढ़का; निफ्टी में 1.75 प्रतिशत की गिरावट



मुंबई । सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार पिछले लगातार दो सत्रों की शानदार बढ़त के बाद गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। इस दौरान प्रमुख बेंचमार्कों बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 50 में 1.7 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली।

बाजार बंद होने पर सेंसेक्स 1,483.72 अंक यानी 1.77 प्रतिशत फिसलकर 82,435.99 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी 50 450.95 अंक यानी 1.75 प्रतिशत गिरकर 25,349.65 पर बंद हुआ।

वहीं दिन के कारोबार में सेंसेक्स ने अपने पिछले बंद 83,919.71 की तुलना में 84,662.96 का हाई तो 82,395.88 का लो टच किया, जबकि निफ्टी 50 ने अपने पिछले बंद 25,800.60 की तुलना में 25,992.60 का उच्चतम तो 25,343.85 का निम्नतम स्तर छुआ।

इस दौरान, निफ्टी इंडेक्स में टाटा स्टील में सबसे ज्यादा गिरावट (8.43 प्रतिशत) दर्ज की गई। इसके बाद एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और हिंडाल्को के शेयरों में करीब 4-3 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली। वहीं इसके विपरीत टीसीएस और श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में 3.5-2.4 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। इसके बाद टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टाइटन के शेयरों का स्थान रहा।

व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में क्रमशः 1.01 प्रतिशत और 0.66 प्रतिशत की गिरावट आई।

वहीं, सेक्टरवार देखें तो निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स में 3 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। इसके बाद निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 2.3 प्रतिशत, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 2 प्रतिशत और निफ्टी ऑटो में 1 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। जबकि इसके विपरीत निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 1.69 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसके साथ ही निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी रियल्टी में तेजी देखने को मिली।

एक मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि सोमवार के सत्र में भारतीय इक्विटी बाजारों में बड़ी गिरावट देखने को मिली। एक्सपर्ट ने कहा कि यह गिरावट चार सप्ताह की तेजी के बाद हुई 'प्रॉफिट-बुकिंग' (मुनाफा वसूली) को दर्शाती है। इसके अलावा, वॉल स्ट्रीट में टेक्नोलॉजी शेयरों की बिकवाली और एशियाई बाजारों में आई कमजोरी ने भी इस गिरावट को और बढ़ा दिया।

इस बीच, कमोडिटी बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार वापसी हुई; एमसीएक्स पर इनकी कीमतों में क्रमशः लगभग 3 प्रतिशत और 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होकर 92.89 के स्तर पर आ गया। आगे चलकर, वैश्विक संकेत, एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशकों) का निवेश और निफ्टी के लिए 25,300-25,500 का सपोर्ट जोन काफी महत्वपूर्ण होंगे।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के कार्यकाल की भयावह शुरुआत के बाद पोचेटिनो ने योरो को मिले रेड कार्ड पर सवाल उठाए



नई दिल्ली। मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर के रूप में मॉरीसियो पोचेटिनो के लिए इससे मुश्किल शुरुआत शायद ही हो सकती थी। लेनी योरो को शुरुआती ही रेड कार्ड मिलने से लिवरपूल के खिलाफ 4-0 की करारी हार का रास्ता साफ हो गया। अर्जेंटीना के इस कोच का मानना ??था कि इस रेड कार्ड ने पूरे मैच का रुख बदल दिया, और उनका तर्क था कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम भी ऐसी परिस्थितियों में इसी तरह की हार का सामना कर सकती थी। आठवें मिनट में ही योरो को एलेक्जेंडर इसाक पर किए गए फाउल के लिए रेड कार्ड दिखाए जाने के बाद यूनाइटेड की टीम 10 खिलाड़ियों तक सीमित हो गई और इसके ठीक पांच मिनट बाद ही लिवरपूल ने 2-0 की बढ़त बना ली। मैच के बाद पोचेटीनो ने इस फैसले पर निराशा व्यक्त की और सवाल उठाया कि क्या रेड कार्ड दिखाना उचित था। 'यह बहुत दुखद है, मैं बहुत निराश महसूस कर रहा हूँ। यह अविश्वसनीय है कि प्रीमियर लीग में मेरी यात्रा की शुरुआत ऐसे हालातों में हो रही है। एकमात्र समस्या यह है कि मैच छह मिनट बाद पूरी तरह से बदल गया, और अब हम बात कर सकते हैं और सब कुछ समझा सकते हैं, लेकिन नुकसान तो हो ही चुका है। ' 'यह बेहद दर्दनाक है। खिलाड़ी इस तरह की स्थिति का दर्द महसूस करते हैं। मैंने उनसे कहा कि उन्हें शांत रहना होगा, और जो कुछ हुआ वह पूरी तरह से अन्यायपूर्ण स्थिति थी।

पोचेटीनो ने योरो की बर्खास्तगी पर सवाल उठाए

पोचेटीनो ने तर्क दिया कि इसाक को गोल करने के स्पष्ट अवसर से वंचित नहीं किया गया था, उन्होंने जोर देकर कहा कि गेंद पहले से ही गोलकीपर की ओर जा रही थी और योरो का स्ट्राइकर को गिराने का कोई इरादा नहीं था। 'गेंद गोलकीपर की ओर जा रही थी। मुझे लगता है कि उस स्थिति में, अगर आप वीएआर चेक करेंगे, तो आप देखेंगे, जैसा कि हम अब कैमरों में देख सकते हैं, कि लेनी योरो का इरादा कभी भी अलेक्जेंडर इसाक को गिराने का नहीं था। ' उन्होंने आगे कहा कि इसाक गिरने से पहले धीमे हो गए थे, और उनका मानना था कि इस घटना के लिए रेड कार्ड देना उचित नहीं था। पोचेटिनो ने कहा कि वह अधिकारियों का सम्मान करते हैं, लेकिन अपनी टीम का बचाव करना और अपने विचार

'सर्वश्रेष्ठ टीम भी 4-0 से हार सकती है'

मैच के बाद उनकी प्रतिक्रिया में रेड कार्ड का मुद्दा हावी रहा, लेकिन पोचेटीनो ने यह भी स्वीकार किया कि यूनाइटेड को अपने प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने खिलाड़ियों से बेहतर एकाग्रता और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने का आह्वान किया और माना कि उनके खिलाड़ियों को कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की आवश्यकता है। लेकिन उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इतनी जल्दी मिली हार से उबरना कितना मुश्किल होता है, यहां तक कि उच्चतम स्तर की टीम के लिए भी। 'अगर दुनिया की सबसे अच्छी टीम भी इस तरह से, हमारी परिस्थितियों में खेलती, तो शायद चार गोल या उससे भी ज्यादा गोल खा लेती। और अब हम क्या कहेंगे? ' पोचेटीनो ने जोर देकर कहा कि उनके खिलाड़ियों ने मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद संघर्ष जारी रखा, लेकिन इस हार ने उनके सामने एक तत्काल चुनौती खड़ी कर दी है। यूनाइटेड के पास परिणाम पर विचार करने के लिए ज्यादा समय नहीं है, क्योंकि बुधवार को चैंपियंस लीग में स्पोर्टिंग के खिलाफ मैच है, जिसके बाद शनिवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ प्रीमियर लीग का मुकाबला है। 2 दिसंबर को न्यूकैसल का दौरा भी है, जिससे एक ऐसी टीम के लिए मैचों का यह दौर काफी चुनौतीपूर्ण हो जाता है जो अपने सीजन को पलटने के लिए बेताब है।

'नो हैंडशेक' के पीछे बड़े मुद्दे हैं

एमसीसी हेड ऑफ क्रिकेट बोले इन पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं

शारजाह। मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने माना है कि जब राजनीति शामिल हो, तो खिलाड़ियों को हैंडशेक (हाथ मिलाने) से बचने से रोकना उनके बस में नहीं है, भले ही वे 'स्पिरिट ऑफ क्रिकेट' (खेल की भावना) को बचाए रखना चाहते हों। क्रिकेट में हैंडशेक न करने का मुद्दा मुख्य रूप से भारत-पाकिस्तान मैचों से जुड़ा है। अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद से टॉस के समय या मैच के बाद पारंपरिक रूप से हाथ मिलाने की प्रक्रिया को छोड़ देना एक आम बात हो गई है। हालांकि हैंडशेक खेल भावना का एक पारंपरिक प्रतीक है, लेकिन आईसीसी के नियमों के अनुसार यह अनिवार्य नहीं है। भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच हैंडशेक न करने के मामले पुरुषों, महिलाओं और विभिन्न आयु वर्गों के मैचों में देखी गई हैं। इसमें रविवार को दोहा में भारत-ए और पाकिस्तान-ए के बीच खेला गया एसीसी मेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स मैच भी शामिल है। जब एमसीसी के हेड ऑफ क्रिकेट फ्रेजर स्टीवर्ट से पूछा गया कि क्या खिलाड़ियों के हाथ मिलाने से इनकार करने पर खेल भावना को बनाए रखना मुश्किल होता जा रहा है, तो उन्होंने जवाब दिया कि बड़े राजनीतिक मुद्दे कहीं अधिक अहम होते हैं और वे उनके नियंत्रण से बाहर हैं। शारजाह में आईएलटी20 के दौरान स्टीवर्ट ने कहा, 'मुझे लगता है कि कुछ ऐसी स्थितियां होती हैं जो क्रिकेट से परे होती हैं। ये ऐसे स्तर से आती हैं, जहां भू-राजनीतिक मुद्दों पर बात करना मेरे अधिकार क्षेत्र से बाहर है। ' उन्होंने बताया कि एमसीसी तो यही चाहेगा कि खिलाड़ी आपस में हाथ



मिलाएं, लेकिन उसका अधिकार क्षेत्र केवल खेल के दौरान खिलाड़ियों के व्यवहार तक ही सीमित है। उन्होंने आगे कहा, 'हम केवल मैदान पर होने वाली चीजों को नियंत्रित कर सकते हैं, जैसे खिलाड़ी एक-दूसरे का सम्मान करें, अंपायरों और उनके फैसलों का सम्मान करें, और खेल का सम्मान करें। बस इतना ही हमारे नियंत्रण में है। ' स्टीवर्ट ने आगे कहा कि अगर नेताओं या उच्च स्तर से खिलाड़ियों को हाथ न मिलाने का आदेश दिया जाता है, तो एमसीसी इसमें दखल देकर उसे बदल नहीं सकता। उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, 'अगर ऊपर से हैंडशेक न करने के आदेश आते हैं, तो एमसीसी उसे नियंत्रित नहीं कर सकता। हम तो यही चाहेंगे कि खिलाड़ी हाथ मिलाएं, लेकिन हम समझते हैं कि इसके पीछे बड़े मुद्दे हैं, जो हमारे नियंत्रण से पूरी तरह बाहर हैं। '



थिएटर और ओटीटी, दोनों की अपनी खूबी

दिव्या इन दिनों अपनी फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर चर्चा में हैं। इसी सिलसिले में बातचीत में दिव्या ने फिल्म की रिलीज, थिएटर और ओटीटी के अनुभव और अपने करियर से जुड़े कई पहलुओं पर बात की।

ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचना ही उद्देश्य
थिएटर में फिल्म रिलीज होने के बाद जब वही फिल्म ओटीटी पर आती है तो उसे नए दर्शक मिलते हैं। क्या दिव्या के लिए भी दोनों माध्यमों का अनुभव अलग है? वह कहती हैं, 'देखिए, असल बात यह है कि आप जितनी ज्यादा ऑडियंस तक पहुंच सकें, वही आपका मुख्य उद्देश्य होता है। आपने एक फिल्म बनाई है और चाहते हैं कि उसे ज्यादा से ज्यादा लोग देखें। पहले उसकी लिमिटेड थिएटर रिलीज हुई, लेकिन अब वह ओटीटी पर आ रही है। ऐसे में बहुत सारे लोग अपने समय और अपनी सुविधा के हिसाब से उसे देखेंगे। वे जिसके साथ देखना चाहते हैं, उसके साथ घर पर आराम से बैठकर फिल्म देखेंगे और अपनी प्रतिक्रिया देंगे। ज्यादा से ज्यादा लोगों को आपका काम देखना चाहिए, यह बहुत जरूरी है। बेशक बड़े पर्दे का अपना जादू है और ओटीटी का अपना। लेकिन मेरे लिए इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। जरूरी यह है कि आपका काम और आपकी कहानी लोगों तक पहुंचे।'

क्या दिव्या भी किसी फिल्म को थिएटर में देखने से चूक जाएं तो उसके ओटीटी पर आने का इंतजार करती हैं?। इस पर वह कहती हैं, 'ऐसा कोई नियम नहीं है। अगर कोई फिल्म मिस हो गई तो बेशक ओटीटी पर आने का इंतजार करते हैं। लेकिन लाइव सिनेमा को कम नहीं आंक सकते। उसका अपना महत्व है। हर कोई उसका इंतजार करता है। वह चाहे बड़ी फिल्म हो, सुपरहिट फिल्म हो या किसी भी तरह की फिल्म हो, जब वह ओटीटी पर आती है तो लोग उसे दोबारा देखते हैं या पहली बार देखते हैं। थिएटर और ओटीटी का यह मेल बहुत खूबसूरत है।'

'चिरैया' के बाद महिलाओं की प्रतिक्रियाएं खास

इस साल दिव्या दत्ता की फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' और 'गजब रात' के साथ वेब सीरीज 'चिरैया' को भी दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। खासकर 'चिरैया' देखने के बाद महिलाओं ने उनसे अपने अनुभव साझा किए। वह कहती हैं, 'यह साल टचवुड बहुत अच्छा रहा है। इन तीनों प्रोजेक्ट के लिए। थिएटर में फिल्में देखने के बाद कई लोग मुझे कहीं भी मिल जाते हैं और अपने अनुभव बताते हैं। 'चिरैया' देखने के बाद लड़कियां जिस तरह मुझसे बात करती हैं, यह बताती हैं कि फिल्म की कहानी ने उन्हें छुआ है और वे उससे खुद को जोड़ पाई हैं, वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस साल मुझे बहुत अच्छी प्रतिक्रियाएं मिली हैं।'

क्या उन्हें कॉमेडी किरदार निभाने का मौका मिलता है? इस सवाल पर हंसते हुए वह कहती हैं, ' 'यार, कॉमेडी करना मुझे पसंद है, लेकिन मुझे कोई ऑफर ही नहीं करता।'

हालांकि, दिव्या ने कुछ फिल्मों में कॉमेडी की है। वह बताती हैं, 'मैंने 'चिरैया' में भी थोड़ा कॉमेडी किया है। 'शर्माजी की बेटी' में भी किया है। लेकिन फुल फ्लेज्ड कॉमेडी करने में बड़ा मजा आएगा। मुझे वह पसंद है। अभिनय का मजा ही यही है कि आप अलग-अलग तरह की कहानियां कह रहे हैं और अलग-अलग किरदार निभा रहे हैं। कई बार लगातार इंटेंस सीन करके आते हैं तो मन हल्का करने के लिए एक लाफ्टर बहुत अच्छा लगता है।'

महिलाओं के लिए कॉमेडी के मौके कम हैं

क्या महिला कलाकारों को केंद्र में रखकर कॉमेडी फिल्में कम बनती हैं? इस पर दिव्या कहती हैं, 'मुझे नहीं लगता कि फिल्म निर्माता ऐसा कुछ सोचकर डरते हैं। लेकिन हमारे यहां फीमेल सेंट्रिक कॉमेडी ज्यादा लिखी नहीं जाती है। यह बात तो फैक्ट है। मैं चाहूंगी कि महिलाओं को केंद्र में रखकर भी ऐसी कॉमेडी फिल्में बनें, जिनमें वे खुलकर हंसें और दर्शकों को भी हंसाएं।'

संक्षिप्त समाचार

ड्रग कार्टेल का सरगना एल चापो इसिद्रो गिरफ्तार, सड़कों पर गिरोह के लोगों ने की गोलीबारी; 11 की मौत

सिनालोआ, एजेंसी। मैक्सिको के सिनालोआ राज्य में ड्रग कार्टेल के एक बड़े सरगना की गिरफ्तारी के बाद हिंसा भड़क उठी। शुक्रवार रात शुरू हुई गोलीबारी और सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 11 लोगों की मौत हो गई। मैक्सिको के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, मारे गए लोगों में कार्टेल के सात संदिग्ध बंदूकधारी और चार सैनिक शामिल हैं। कार्टेल सरगना फॉस्तो इसिद्रो मेजा फ्लोरेस को 'एल चापो इसिद्रो' के नाम से जाना जाता है। वह एफबीआई की दस सर्वाधिक वांछित भगोड़ों की सूची में शामिल था। अमेरिकी खुफिया जानकारी के आधार पर मैक्सिको के अधिकारियों ने उसे गिरफ्तार किया। इस अभियान में मेजा फ्लोरेस समेत आठ लोगों को हिरासत में लिया गया। मेजा फ्लोरेस बेल्ट्रान लेवा कार्टेल में ऊंचे पद तक पहुंचा था। बाद में उसने अपना अलग संगठन मेजा-फ्लोरेस ट्रांसनेशनल क्रिमिनल ऑर्गनाइजेशन बनाया। अमेरिका ने उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने पर पांच मिलियन डॉलर के इनाम की घोषणा कर रखी थी। उस पर अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध रूप से हथियार रखने के आरोप थे।

फ्रांस में न्यूज चैनलों के खिलाफ गुस्सा दक्षिणपंथी विचारधारा को बढ़ावा देने का आरोप, चैनल बंद करने की मांग

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के प्रमुख न्यूज चैनल बीएफएम टीवी के न्यूजरूम में इन दिनों अजीब-सी बेचैनी का माहौल है। तकनीशियन थॉमस लियोनेटी और उनके 159 साथियों ने अपने ही प्रबंधन के खिलाफ बगावत का झंडा बुलंद कर दिया है। प्रबंधन को लिखे एक पत्र में इन कर्मचारियों ने कहा है कि चैनल पर जिस तरह दक्षिणपंथी विचारधारा को बढ़ावा दिया जा रहा है, उससे उन्हें अब बीएफएम टीवी में काम करने पर शर्म महसूस होती है। फ्रांस में पिछले दो महीनों से जारी छात्र आंदोलनों और हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच बीएफएफ के अलावा एक अन्य प्रमुख न्यूज सी-न्यूज भी सवालों के घेरे में है। विवाद इस कदर बढ़ चुका है कि 10 लाख से ज्यादा लोगों ने एक याचिका पर हस्ताक्षर कर फ्रांसीसी सरकार से सी-न्यूज का प्रसारण लाइसेंस रद्द करने की मांग की है। लोगों का आरोप है कि चैनल नस्लवादी भाषा और दक्षिणपंथी दुष्प्रचार के जरिए नफरत फैला रहा है। हालांकि, फ्रांस की नेशनल असेंबली ने सी-न्यूज का लाइसेंस रद्द करने से इन्कार करते हुए कहा कि यह सांसदों का काम नहीं है, बल्कि इस पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर बहस होगी। 2019 से अब तक फ्रांस के प्रसारण नियामक की ओर से सी-न्यूज को 20 बार चेतावनी या दंड दिया जा चुका है, जिसमें छह बार तो इसी साल कार्रवाई हुई है। जब फ्रांस में विरोध प्रदर्शन भड़के तो इन चैनलों ने जलती कारों, टूटे शीशों और तीखी टिप्पणियों का पुराना फॉर्मूला अपनाया। नतीजा यह हुआ कि जनता का गुस्सा अब खुद इन चैनलों की टीमों पर फूटने लगा है। इसी महीने ल्योन शहर में प्रदर्शन कवर कर रही बीएफएम की कैमरा टीम पर भीड़ ने हमला कर दिया। वहीं, ट्रैप्स उपनगर में शोक सभा के दौरान चैनल की टीम से बदसलूकी की गई।

बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरान का हमला- पैट्रियट एयर डिफेंस रडार को बनाया निशाना, दी क्या चेतावनी

तेहरान, एजेंसी। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से संयुक्त हमला किया। संगठन के मुताबिक, इस कार्रवाई में अमेरिकी पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम से जुड़े दो रडार को निशाना बनाया गया। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी पर प्रसारित बयान के अनुसार, आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने बहरीन के अल-रिफा और अवाली सैन्य ठिकानों पर अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, इन ठिकानों पर अमेरिकी पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम से जुड़े रडार तैनात हैं। आईआरजीसी ने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिकी एमक्यू-1 और एमक्यू-9 ड्रोन की ओर से ईरानी हवाई क्षेत्र के कथित बार-बार उल्लंघन और ईरान के हेंगम द्वीप पर एक रडार प्रतिष्ठान पर हमले के जवाब में की गई। संगठन ने यह भी दावा किया कि क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य एस्कॉर्ट और हवाई सुरक्षा अभियान अपने उद्देश्यों को हासिल करने में नाकाम रहे। आईआरजीसी ने ईरान के हवाई क्षेत्र को रेड लाइन बताते हुए चेतावनी दी कि आगे किसी भी तरह की घुसपैठ होने पर कड़ी और निर्णायक कार्रवाई की जाएगी।

मोदी और शाह की जोड़ी कोई साजिश रच रही या फिर झूठ के जाल में फंस गए

-संसद सत्र और परिसीमन को लेकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने किया दावा



नई दिल्ली , एजेंसी। संसद सत्र और परिसीमन को लेकर बने सस्पेंस के बीच कांग्रेस ने दावा किया है कि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी या तो कोई खतरनाक साजिश रच रही है, या फिर वे अपने ही बुने झूठ और दिखावे के जाल में फंस गए हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को एक्स पर लिखा- पीएम मोदी और अमित शाह की जोड़ी क्या खेल खेल रही है, अगर मान लें कि यह जोड़ी अभी भी साथ है? उन्होंने कहा कि यदि मान लें कि शीतकालीन सत्र होने वाला है तो अब तक देश को पता चल जाना चाहिए था कि संसद का शीतकालीन सत्र कब होगा। यदि मान लें कि इसे फिर से बुलाया जाने वाला है, तो अब तक देश को पता चल जाना चाहिए था कि मानसून सत्र को कब फिर से बुलाया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस नेता ने कहा कि लोकसभा में किसी तरह दो-तिहाई बहुमत जुटाने की इस जोड़ी की हताश कोशिशों को देखते हुए, देश को यह जानने का हक है कि परिसीमन को लेकर पीएम मोदी और अमित शाह का फॉर्मूला क्या है। जयराम रमेश ने कहा क्थ् यह लगातार बना हुआ सस्पेंस साफ तौर पर दो बातें बताता है- पहला यह जोड़ी खुद उलझन में है और अपने ही बुने झूठ और दिखावे के जाल में फंस गई है, या दूसरा- कोई बहुत खतरनाक साजिश रची जा रही है।

उन्होंने आगे कहा कि जो भी हो जीटीए यानी ज्ञानेश-थेफ्ट-अरेंजर्स की यह जोड़ी पूरी तरह से बेनकाब हो चुकी है। दुख की बात है कि संसद जैसी संस्था, जो पहले से ही काफी कमजोर हो चुकी है, इस खतरनाक जोड़ी की हरकतों की वजह से और भी ज्यादा कमजोर होती जा रही है। इससे पहले, साल 2025 में 5 नवंबर को तत्कालीन संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने बताया था कि संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होगा और 20 दिसंबर को समाप्त होगा। हालांकि, मौजूदा स्थिति में सत्र को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

सूखे से निपटने को तैयार महाराष्ट्र: सुनेत्रा पवार ने बताए उपाय



मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने घोषणा की कि राज्य सरकार सूखे की गंभीर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि प्रभावित 310 तालुकाओं में पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने, प्रभावी जल प्रबंधन और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के मौके पैदा करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। पुणे के बालेवाडी स्थित शिव छत्रपति खेल परिसर के दौरे के दौरान उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने कहा कि महायुति सरकार ने किसानों की मदद के लिए जल प्रबंधन की पुख्ता व्यवस्था की है।

उन्होंने बताया कि किसानों को बड़े पैमाने पर चारे की फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिसके लिए उन्हें आवश्यक बीज भी उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त, नहरों और बांधों के आसपास रहने वाले किसानों से भी चारे की खेती करने का आग्रह किया गया है। महायुति सरकार इन किसानों से चारा खरीदेगी, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय होगी। रोजगार सृजन के संबंध में, डिप्टी सीएम पवार ने बताया कि महायुति सरकार ने रोजगार गारंटी योजना के तहत गर्मियों में विभिन्न कार्य कराने का प्रस्ताव रखा है, ताकि अधिक लोगों को काम मिल सके और उनकी आजीविका चलाने में मदद हो सके।

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के कुल 358 तालुकाओं में से 310 को सूखाग्रस्त घोषित किया है। केंद्र से सहायता, विशेष रूप से किसानों को पांच-पांच हजार रुपये की अग्रिम राहत के संबंध में अपेक्षित समयसीमा के सवाल पर, उपमुख्यमंत्री ने कोई निश्चित जानकारी नहीं दी। हालांकि, उन्होंने दृढ़ता से कहा कि राज्य सरकार अपनी ओर से सूखे की इस चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह सज्ज है और सभी आवश्यक कदम उठा रही है।

बीजेपी ने यूपी मिशन-2027 के लिए 403 विधानसभा सीटों पर चुनावी घेराबंदी की शुरू

- अगले महीने यूपी का दौर कर सकते हैं शाह, सियासी समीकरण साधने पर रहेगा जोर

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। अगले महीने से अमित शाह का उत्तर प्रदेश दौरा संभावित है। इस दौरान उनका फोकस संगठन को मजबूत करने, कमजोर सीटों पर पार्टी की स्थिति सुधारने और प्रदेश के सियासी समीकरण साधने पर रहेगा। माना जा रहा है कि शाह अपने दौरे के जरिए यूपी में बीजेपी के चुनावी अभियान की कमान संभालेंगे। गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित दौरे में इन सभी तैयारियों की समीक्षा के साथ चुनावी रोडमैप को अंतिम रूप देने पर जोर रह सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी कमजोर सीटों पर अपनी स्थिति मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और बूथ स्तर तक संगठन को धार देने की रणनीति पर काम कर रही है। बीजेपी आने वाले दिनों में संगठन से लेकर जनसंपर्क तक अभियान और तेज कर सकती है। इसके साथ ही बीजेपी ने मिशन-2027 के लिए प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनावी घेराबंदी शुरू कर दी है। इसके तहत पार्टी ने 40 पर्यवेक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी है। हर दो जिलों के बीच एक पर्यवेक्षक तैनात किया गया है। ये पर्यवेक्षक गांव-गांव जाकर चौपाल लगाएंगे और केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करेंगे। इसके साथ ही जनता के बीच सरकार के कामकाज को लेकर फीडबैक भी जुटाएंगे। पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर पार्टी चुनावी तैयारियों की समीक्षा कर केंद्रीय नेतृत्व को जानकारी देगी। वहीं संगठन को मजबूत करने के लिए बीजेपी ने छह क्षेत्रों में दूसरे राज्यों से आए संगठन मंत्रियों को भी जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी का जोर उन इलाकों और सीटों पर विशेष रूप से है, जहां संगठन को और मजबूत करने की जरूरत है। बीजेपी की रणनीति के तहत संगठन, विकास और राष्ट्रवाद के मुद्दों को लेकर जनता के बीच पहुंचने की तैयारी है, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी अपनी स्थिति को और मजबूत कर सके।

आरक्षण बिल पर सियासी हलचल: विपक्ष ने लगाया सांसद खरीद का आरोप



नई दिल्ली , एजेंसी । संसद के बहुप्रतीक्षित शीतकालीन सत्र की तारीखों का अभी तक ऐलान नहीं हुआ है। इसी बीच, परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक और महिला आरक्षण बिल को लेकर देश की सियासत गरमा गई है। विपक्षी गठबंधन इंडिया ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं, दावा किया जा रहा है कि सरकार के पास इन महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने के लिए आवश्यक 40-50 सांसदों की संख्या कम पड़ रही है, जिसके चलते पार्टियों को तोड़ने और सांसदों की खरीद-फरोख्त की तैयारी की जा रही है।

शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने दावा किया है कि इस संख्या को जुटा पाने में असमर्थता के चलते सत्ताधारी दल शीतकालीन सत्र को दांव पर लगा रहा है। उन्होंने यहां तक कहा कि सांसदों की खरीद के लिए प्रति सांसद 150 करोड़ रुपये की रकम तय की गई है। राउत के अनुसार, इस काम के लिए महाराष्ट्र सरकार के एक मंत्री को भी लगाया गया है, हालांकि उन्होंने इस दौरान किसी नेता का नाम नहीं लिया।

राउत ने अपने दावे में कहा, सरकार जिद और अहंकार पर उतर आई है। शीतकालीन सत्र इसलिए नहीं हो रहा है क्योंकि वे चाहते हैं कि परिसीमन बिल हम मंजूर कर लेंगे। यह उनका ईगो है और इस ईगो के लिए एक शीतकालीन सत्र खाया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, देश, संविधान और संसद की चिंता नहीं की जा रही है, बल्कि यह तय किया गया है कि किसी भी हालत में परिसीमन बिल मंजूर किया जाएगा। इसके लिए जो 40-45 सांसदों का आंकड़ा कम पड़ रहा है, उसे छोटी-छोटी पार्टियों को खरीदकर या दबाव में लाकर पूरा किया जाएगा। अगर पार्टियां नहीं टूट रहीं, तो कुछ सांसदों को खरीद लेंगे।

राज्यसभा सांसद राउत ने सांसदों को खरीदने के लिए 150 करोड़ रुपये की पेशकश का दावा करते हुए कहा, यह भाजपा के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का भाव है एक सांसद का 150 करोड़। पार्टी का व्हिप तोड़कर वोट करो, आपको अयोग्य नहीं किया जाएगा। न ओम बिरला जी करेंगे, न चुनाव आयोग करेगा। आराम से पार्टी व्हिप तोड़कर वोट करो और 150 करोड़ रुपये लेकर जाओ। उन्होंने यह भी दावा किया कि पूरा पैसा महाराष्ट्र से जाएगा और एक बड़े मंत्री ने इसकी जिम्मेदारी ली है। हालांकि, इन आरोपों को सत्ता पक्ष ने सिरे से खारिज कर दिया है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री संजय शिरसाट ने राउत के दावों को झूठ का पुलिंदा करार दिया। उन्होंने पलटवार करते हुए सवाल किया, 150 करोड़ रुपये दे रहे हैं, आपसे किसने बताया? उसको सामने लाओ और कहो न। दरअसल, सरकार परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने की तैयारी में है, जिसका उद्देश्य लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर अधिकतम 850 करना और 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संसद व राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का रास्ता साफ करना है। इस विधेयक को लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत यानी 361 वोटों की जरूरत होगी। 540 सदस्यों वाले मौजूदा सदन में, सत्ताधारी दल के पास 320 सदस्य हैं। ऐसे में, आवश्यक संख्या जुटाने के लिए उन्हें विपक्षी दलों के समर्थन की आवश्यकता होगी।

ऋषिकेश में विदेशी महिलाओं ने उठाया गंगा सफाई का बीड़ा, सोशल मीडिया पर लोग कर रहे तारीफ

देहरादून ,एजेंसी। उत्तराखंड के ऋषिकेश में गंगा नदी के किनारे का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। वीडियो में कुछ विदेशी महिलाएं हाथों में दस्ताने पहने और काले कचरे के थैले लिए गंगा घाट पर फैला प्लास्टिक और अन्य कचरा साफ करती दिख रही हैं। चट्टानों के बीच दबी पन्नियां हों या रेत में पड़ा कूड़ा, ये महिलाएं बिना किसी दिखावे के, पूरी लगन से एक-एक चीज को उठाकर थैले में डाल रही हैं। एक इंस्टाग्राम यूजर द्वारा साझा किए गए वीडियो को देखकर हर कोई हैरान है। वीडियो रिकॉर्ड करने वाले शख्स ने भी अपनी हैरानी जताकर कहा कि जहां लोग अपनी पवित्र नदी में कचरा फेंकने से बाज नहीं आते, वहीं दूसरे देशों से आई ये महिलाएं हमारी विरासत को बचाने की कोशिश कर रही हैं।

इंडोनेशिया की कैंडी फैक्टरी में भीषण आग, तीन की मौत; 36 कर्मचारी लापता, अपनों की तलाश में भटक रहे परिजन

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के बैंटन प्रांत में शनिवार को एक कैंडी फैक्टरी में भीषण आग लग गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, 36 कर्मचारी गायब हैं। बचाव दल उनकी तलाश में जुटे हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आग बैंटन प्रांत के सेरांग जिले में स्थित पीटी फोनुसा अगुंग मुलिया फैक्टरी में लगी। यह इलाका राजधानी जकार्ता के पास है। यह फैक्टरी मिल्किटा नाम के ब्रांड की कैंडी और स्नैक्स बनाती है। ये उत्पाद दूध से तैयार किए जाते हैं।

कितने लोगों को बचाया गया: राष्ट्रीय खोज और बचाव एजेंसी ने एक बयान जारी किया। इसके मुताबिक, फैक्टरी से 15 लोगों को जिंदा बचाया गया है। इनमें चार



घायल कर्मचारी भी शामिल हैं। वहीं, बचाव दल अब भी लापता 36 कर्मचारियों की तलाश कर रहे हैं।

बैंटन खोज और बचाव एजेंसी के संचालन अधिकारी रिज्की द्वियांतो ने बताया कि फैक्टरी के कई हिस्सों में अब भी आग लगी हुई है। उन्होंने कहा, कई जगहों पर आग अब भी जल रही है। दमकलकर्मी आग बुझाने के साथ ही प्रभावित जगहों को ठंडा करने में जुटे हैं। उन्होंने बताया कि आग लगने के 12 घंटे से ज्यादा समय बाद भी दमकलकर्मी आग पर काबू पाने में जुटे थे। सेरांग जिले और बैंटन प्रांत की दमकल टीमें फैक्टरी के अलग-अलग हिस्सों में आग बुझा रही थीं।

आग के बाद फैक्टरी में कैसा था मंजर : टेलीविजन पर दिखाई गई तस्वीरों में तीन मंजिला फैक्टरी आग की लपटों से घिरी नजर आई। आसमान में काले धुएं का गुबार उठ रहा था। इससे आसपास रहने वाले लोगों और कर्मचारियों में दहशत फैल गई। आग से जली इमारत के फर्श पर मुड़ी हुई धातु के टुकड़े बिखरे पड़े थे। छत की लोहे की चादरें भी जलकर काली हो गई थीं। वहां अन्य मलबा भी फैला हुआ था।

लापता कर्मचारियों के परिजन कर रहे इंतजार : फैक्टरी के बाहर लापता कर्मचारियों के परिजन बेचैन होकर इंतजार कर रहे थे। वे अपने परिवार के उन सदस्यों की खबर मिलने की उम्मीद कर रहे थे, जिनसे संपर्क नहीं हो पा रहा था। आग लगने की सही वजह का अभी पता नहीं चला है। अधिकारियों ने यह भी नहीं बताया कि आग लगने के समय सभी लापता कर्मचारी फैक्टरी के अंदर ही थे या नहीं। हालांकि, आग से बचकर निकले लोगों ने बताया कि तीसरी मंजिल पर लगी एक ठंडा करने वाली मशीन से आग शुरू हुई थी।

यमन में सऊदी ने किए हवाई हमले, होदेदा शहर को बनाया निशाना; हूती विद्रोहियों ने क्या दावा किया

सना/रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब ने लाल सागर के तट पर बसे यमन के बंदरगाह शहर होदेदा पर शनिवार शाम हवाई हमले किए। सऊदी लड़ाकू विमानों ने कई हमले किए। हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले अल-मसीरा टीवी ने इसकी जानकारी दी। चैनल ने इन हमलों को सऊदी आक्रामकता बताया। हालांकि, उसने हमलों में मारे गए या घायल हुए लोगों की संख्या नहीं बताई। नुकसान की जानकारी भी नहीं दी। एक स्थानीय निवासी ने समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि शहर में पांच से ज्यादा जोरदार धमाके हुए। उस समय भी लड़ाकू विमान आसमान में उड़ रहे थे। निवासी ने कहा, धमाके बेहद तेज थे। हम अब भी अपने ऊपर विमानों की आवाज सुन सकते थे।

हूती विद्रोहियों ने क्या दावा किया : वहीं, हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरीया ने अलग से बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों में सऊदी लड़ाकू विमानों और मिसाइलों ने यमन के आठ प्रांतों में 71 हमले किए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, इन हमलों में लोग हताहत हुए हैं। सरीया ने एक्स पर एक बयान भी जारी किया। उन्होंने कहा कि ताजा हमलों के बाद सऊदी अरब की ओर से किए गए हवाई और मिसाइल हमलों की संख्या 5,500 हो गई है। यह संख्या सैन्य तनाव दोबारा बढ़ने के बाद से अब तक हुए हमलों की है।

सऊदी ने हूती विद्रोहियों के कितने ड्रोन और मिसाइल रोके : इस बीच, सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मलिकी ने शनिवार को एक्स पर बताया कि गठबंधन की सेना ने हूतियों की ओर से रियाद की तरफ भेजे गए एक ड्रोन को हवा में ही मार गिराया। इससे पहले, गठबंधन ने बताया था कि उसकी सेना ने रियाद की ओर दागी गई हूती विद्रोहियों की तीन बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही रोक दिया। गठबंधन ने एक और ड्रोन को रोकने की जानकारी दी। यह ड्रोन हूतियों ने सऊदी अरब के दक्षिणी क्षेत्र की ओर भेजा था। ये घटनाएं ऐसे समय हुई हैं, जब यमन में हूती विद्रोहियों और सरकारी सेना के बीच लड़ाई तेज हो रही है। यमन की सरकारी सेना को सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन का समर्थन हासिल है। पिछले कुछ दिनों में हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के हवाई अड्डों और तेल ठिकानों पर कई बार मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। वहीं, हूती विद्रोहियों के मीडिया संस्थानों ने यमन में सऊदी अरब के हवाई हमले तेज होने की खबरें दी हैं। यमन में दिसंबर 2014 के आखिर से संघर्ष जारी है। उस समय हूती विद्रोहियों ने राजधानी सना और उत्तरी यमन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद 2015 में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने सैन्य कार्रवाई शुरू की। यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमन की सरकार के समर्थन में की गई थी।



कैलिफोर्निया में बाढ़ और समुद्री लहरों का खतरा, अल नीनो और ऊंचे ज्वार से तटीय इलाकों पर संकट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में रिकॉर्ड दर की बारिश, समुद्र की ऊंची उठती लहरों और कमजोर समुद्री तटबंधों ने खतरे की आशंका बढ़ा दी है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अल नीनो इफेक्ट और असामान्य रूप से ऊंचे समुद्री ज्वार के कारण इस सप्ताह राज्य के तटीय इलाकों में बाढ़, कटाव और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने का खतरा है।

तूफानी सिस्टम से फ्लैश फ्लड का खतरा : अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा ने गुरुवार तड़के कैलिफोर्निया के तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को नए तूफानों को लेकर सतर्क किया। उन्होंने कहा, बारिश लाने वाला तूफानी सिस्टम बेहद सक्रिय है और एक घंटे में एक इंच (करीब 25.4 मिलीमीटर) से अधिक बारिश दर्ज की गई है। इसी वजह से कई जगहों पर फ्लैश फ्लड आने की चेतावनी जारी की गई है। सैन फ्रांसिस्को में बारिश ने तोड़ा 100 साल पुराना रिकॉर्ड समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, सुपर अल नीनो के प्रभाव से वायुमंडलीय नमी के एक शक्तिशाली प्रवाह के कारण बुधवार को सैन फ्रांसिस्को में बाढ़ जैसे हालात बन गए। शहर में एक ही दिन में 2.64 इंच बारिश दर्ज की गई, जिसने इस तारीख के लिए सौ साल से भी पुराने बारिश के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। बारिश के कारण कई इमारतों में पानी भर

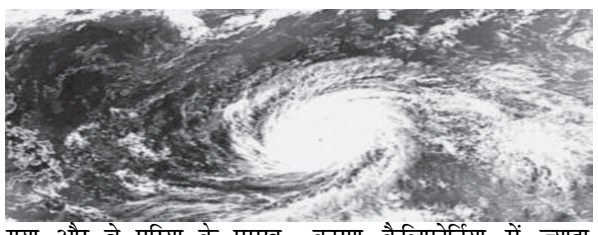

गया और बे एरिया के प्रमुख राजमार्गों पर वाहन पानी में फंस गए। बुधवार दोपहर तक 51 हजार से अधिक बिजली उपभोक्ताओं की आपूर्ति भी बाधित हो गई।

अल नीनो से बढ़ सकती है बारिश और समुद्री जलस्तर : अल नीनो एक ऐसा मौसमी पैटर्न है जिसमें उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसके कारण कैलिफोर्निया में ज्यादा बारिश और तूफान आ सकते हैं। यह यूएस के पश्चिमी तट पर समुद्र के जलस्तर को कुछ समय के लिए बढ़ा सकता है, जिससे ऊंची लहरें और ज्वार-भाटा सामान्य से कहीं ज्यादा अंदर तक पहुंच सकते हैं।

दक्षिणी कैलिफोर्निया में ऊंची लहरों से तटीय कटाव : गुरुवार को दक्षिणी कैलिफोर्निया के तटों पर बड़ी-बड़ी लहरें टकराती रहीं, जिससे पहले आए तूफानों से हुआ कटाव और नुकसान और भी बढ़ गया। अक्टूबर में, क्रिस्टल कोव स्टेट पार्क के पास पैसिफिक कोस्ट हाईवे के नीचे एक तटीय ढलान में 360 फुट लंबी दरार आ गई थी। इसके चलते कैल्ट्रान्स को दोनों दिशाओं में ट्रैफिक को एक-एक लेन तक सीमित करना पड़ा था, ताकि कर्मचारी ढलान को स्थिर करने का काम कर सकें।

मालिबू और लॉस एंजिलिस में 9 फुट तक ऊंची लहरों की चेतावनी : मालिबू और लॉस एंजिल्स काउंटी के समुद्र तटों के लिए शुक्रवार सुबह 9 बजे तक हाई सर्फ एडवाइजरी (ऊंची लहरों की चेतावनी) जारी है, जिसमें 6 से 9 फुट ऊंची लहरें उठने की आशंका है।

अगले सप्ताह किंग टाइड्स से बढ़ेगा खतरा : वैज्ञानिकों का मानना है कि असली चुनौती अगले हफ्ते आएगी, जब रविवार से 27 नवंबर के बीच असामान्य रूप से ऊंचे किंग टाइड्स (बहुत ऊंचे ज्वार) आएंगे। इस दौरान बड़ी लहरें उठ सकती हैं और और भी बारिश हो सकती है। सोमवार से, दक्षिणी कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों में तटीय जलस्तर 8 फुट से भी ऊपर जा सकता है। कैलिफोर्निया कोस्टल कमीशन के अनुसार, इस मौसम के सबसे ऊंचे ज्वार 24-26 नवंबर, 23-25 दिसंबर और 21-22 जनवरी को आएंगे।

नेक्सटऐज मीडिया एंड कंलटिंग प्राइवेट लिमिटेड के लिए, प्रकाशक, संपादक अनीता यादव द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी मेसेर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85 सेक्टर-06 201301 से मुद्रित कराकर 962 सरफाबाद सेक्टर-73, नोएडा-201304 से प्रकाशित किया,
प्रधान संपादक : रिंकू यादव संपादक : अनीता यादव PRGI No. UPHIN/26/A8255 Ph. : 4403949, Email : unplugindia26@gmail.com